

ಕೋಲಾರ ಡಿಪ್ಪಿಕ್ಕು.

ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜ್ ಬಗ್ಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟ ಇಸ್ತಿಹಾರ್ ವ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪತ್ರಿಕೆ

ತಾ||ಖು 1ನೆ ಡಿಸೆಂಬರ್ 1904.

1. ಕಂದಾಯ ಬಾಕಿದಾರರಾದ ಜೋಡಿ ಪಾಲೆಗಾನಹಳ್ಳಿ ಗ್ರಾಮದ ಪ್ರಕಂಠಟ್ಟು ವ್ಯಾಪಾರಿಗಳಿಂದ ಬರಬೇಕಾದ ಜಮೀನ್ ಕಂದಾಯದ ಬಾಕಿಗಾಗಿ ಇದರಲ್ಲಿ ನಮೂದುಗುವ ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತು ಕೋಲಾರ ಡಿಪ್ಪಿಕ್ಕು ಕೋಲಾರ ತಾಲ್ಲೂಕು ಕಛೇರಿಯಲ್ಲಿ 1905ನೇ ಇಸವಿ ಜನವರಿ ಮೊದಲ 20ನೇ ತಾರೀಖಿನಲ್ಲಿ ಬಹಿರಂಗವಾದ ಹರಾಜ್ ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆಂದು ಇದರಲ್ಲಿ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿತ್ತು.

ಹರಾಜ್ ದಿನ 11 ಫೆಬ್ರವರಿ ಉಪಕ್ರಮಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ. ಸ್ವತ್ತು ಏಕದಂ ಬಡವರಹಾಸು ದಾರನ ಹಸರಿಗೆ ನಿರ್ವಹಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

2. ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿಗಾಗಿ ಹರಾಜುದಾರನು 1903-1904ನೇ ಸಾಲಿಗೆ ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ * ಪಾವತಿ ಮಾಡಬೇಕಾದ ಕಂದಾಯದ ಮೊಬಲಗು ಇದರಲ್ಲಿ ಕಾಣಿಸಿರುವ ತಪ್ಪುಯಲ್ಲಿ ನಮೂದಿಸಿರುವ ತಪ್ಪುಲೆ ಮೇರಿಗೆ ರೂಪಾಯಿ 89-3-11 ಆಗಿರುತ್ತೆ.

3. ಹರಾಜ್ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಹರಾಜುದಾರನು ಹರಾಜ್ ಮೊಬಲಗಿನ ಶೇಕಡಾ 25 ರೂಪಾಯಿಗಳನ್ನು ಡಿಪಾಜಿಟ್ ಮಾಡಲ್ಪಡಬೇಕಾದ ಬೇಕಾರಿರುತ್ತೆ. ಆದು ಜಾತಾ ಹರಾಜ್ ಬಾಬತು ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು ಹರಾಜ್ ತಾ||ಖು ಲಾಗಾಯತು 15 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಲ್ಪಡಬೇಕಾದಲ್ಲಿ ಮೇಲೆ ಹೇಳಿದ ಡಿಪಾಜಿಟ್ ಮೊಬಲಗನ್ನು ಹಾಜರಾದಿದವನು ಕಳೆದುಕೊಳ್ಳಲು ಗುರಿಯಾಗುತ್ತಾನೆ.

4. ಅಂಥಾ ಡಿಪಾಜಿಟ್ ಮೊಬಲಗು ಹಾಜರಾದಿಲ್ಲದಿದ್ದರೆ ಮಾ ಹರಾಜ್ ಬಾಬತು ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು ಪಾವತಿ ಮಾಡಲ್ಪಡಬೇಕಾದಾಗ್ಯೆ ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತು ಮೊದಲು ಹರಾಜುದಾರನ ಖರ್ಚಿನಿಂದಲೂ ಮತ್ತು ಅವನಿಗೆ ಇದರಿಂದ ಉಂಟಾಗಬಹುದಾದ ನಷ್ಟಕ್ಕೆ ಗುರ್ತಾದಿಯೂ ಪುನಃ ಹರಾಜ್ ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

5. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡತಕ್ಕ ಜನಗಳು ಖಂಡ್ಯ ತಮ್ಮ ಸ್ವಂತಕ್ಕೋಸ್ಕರ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಯಾ ಜಮೀನ್ದಾರಿ ಮಾಡಬೇಕೆಂದಾಗಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಎಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ತಿಳಿಸಿಕೊಂಡು, ಇತರರಿಗೋಸ್ಕರ ಮಾಡಬೇಕೆಂದಾಗಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುವ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅಂಥಾ ತಮ್ಮ ಎಡಮಾನ್ದರೂ ಸಹ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟ ಲಿಖಿತವಾದ ಅಧಿಕಾರ ಪತ್ರಕೊಡುವುದು ಹಾಜರಿ ಮಾಡುವಂತೆಯೂ ಕೇಳಲ್ಪಡಬಹುದು. ಆದನ್ನು ಅವರು ಹಾಜರಾದಿದ್ದರೆ ಮೇಲೆ ಅಂಶ ಸಮಾಲುಗಳು ತಿರಸ್ಕರಿಸಲ್ಪಡಬಹುದು.

6. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸ್ವತ್ತು ದಾರ ಹೆಸರಿಗಾದರೂ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುವದಕ್ಕೆ ಮುಂಚಿನವಾಗಿ ಬಾಕಿದಾರನಾಗಲಿ ಆತನ ತರಫಿನವನಾಗಿ ಪ್ರಾರ್ಥಿಸುವ ಯಾ ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಬಾಧ್ಯತೆ ಇರುತ್ತೆಂದು ಹೇಳುವ ಯಾವ ಇತರ ಮಾನುಷ್ಯನೇ ಆಗಲಿ ಬಾಕಿಯಲ್ಲಿ ಬಂದಿರುವ ಪುರಾ ಕಂದಾಯದ ಕಣವನ್ನೂ, ಬಡ್ಡಿ ಮತ್ತು ಇತರ ಖರ್ಚುಗಳ ಸಮೇತ ಹಾಜರಾದಿರುವ ಪಕ್ಷಕ್ಕೆ ಹರಾಜ್ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

7. ಹರಾಜ್ ಡಿಪ್ಪಿಟ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಮಂಜೂರಾದಿಲ್ಲದವ ತನಕ ಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜ್ ಪೂರ್ತಿಯಾಗುವದಿಲ್ಲ.

8. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ತೆಗೆದುಕೊಂಡವರು ಹರಾಜ್ ಮೊಬಲಗನ್ನು ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡದಮೇಲೆ ಡಿಪ್ಪಿಟ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಹರಾಜ್ ಮಂಜೂರಾದಿಲ್ಲದಿದ್ದರೆ ಕೂಡ, ಹರಾಜುದಾರರು ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿನ ಸ್ವಾಧೀನವನ್ನು ಹೊಂದುವರು. ಮತ್ತು ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತು ಹರಾಜುದಾರನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ರಿಜಿಸ್ಟರ್ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಡಿಪ್ಪಿಟ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಸ್ವಲ್ಪ ಮೊಹರ್ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಬಂದು ಹರಾಜ್ ಸರಂಫಿಕೇಟ್ ಆತನಿಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಡುವದು. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿಸರಣೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಯಾ ವಿಸ್ತೀರ್ಣದಲ್ಲಿಯೂ ಇರುವ ಸ್ಥಳೀಯಗಳಿಗೆ ಗವರ್ನಮೆಂಟಿನವರು ಜವಾಬ್ದಾರಿಲ್ಲವೆಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ಸ್ಪಷ್ಟವಾಗಿ ತಿಳಿದಿರತಕ್ಕದ್ದು.

9. ಹರಾಜಿನಿಂದ ತಮಗೆ ನಷ್ಟ ಉಂಟಾಯಿತೆಂದು ಎಣಿಸುವ ಜನಗಳು ಹರಾಜ್ ತಾ||ಖು ಲಾಗಾಯತು 30 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಡಿಪ್ಪಿಟ ಕಮಿಷನರವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಮತ್ತು ಅವರ ಹುಕುಮಿನ ಮೇಲೆ ಕಾನೂನಿನಿಂದ ವಿಧಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ನಾಯಿದೆಯಲ್ಲಿ ಗವರ್ನಮೆಂಟಿನವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಸ್ವತಂತ್ರರಾಗಿರುತ್ತಾರೆ. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿಕ್ರಯವು ಅಂಥಾ ಅಪ್ಪೀಲಿನಲ್ಲಿ ಆಗುವ ಫೈನಲ್ ಹುಕುಮಿಗೆ ಬದ್ಧವಾಗಿರತಕ್ಕದ್ದು:—

| ಕೋಲಾರ ವ್ಯಾಪಾರಿ ಜೋಡಿ ಪಾಲೆಗಾನಹಳ್ಳಿ | | ಶ್ರೀಕಂಠಟ್ಟು ವ್ಯಾಪಾರಿ | | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | | ವ. ಗು. ರೂ. ಆ. ಪೈ. | | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | | ಪರಂಪೋಕು | | ಮುಟ್ಟು | | ತು | | ಬಾಗಾಯತು. | | 685 25 195 0 0 | | ಚಕ್ಕು ಬಂದಿ. | | ಪೂರೈಕೆ — ಪಾವನಹಳ್ಳಿ. | | ಪಟ್ಟಿ ಮಕ್ಕೆ — ದಂಡಿಗಾನಹಳ್ಳಿ. | | ಉತ್ತರಕ್ಕೆ — ಮುದವತ್ತಿ. | | ದಕ್ಷಿಣಕ್ಕೆ — ವಡಗೇರಿ. | | (ಪುರಾಗ್ರಾಮ) | | | | |
|----------------------------------|---------|----------------------|-----------------|---------------|-------------------|-----------------------------|-----------------|------------|------------|----------|------------|-------------------|------------|------------|------------|------------|------------|----------------|------------|-------------|------------|---------------------|------------|-----------------------------|------------|-----------------------|------------|----------------------|------------|-------------|----|-----|---|---|
| ಅಲ್ಲೂಕು. | ಹೋಲಾಳಿ. | ಗ್ರಾಮ. | ಬಾಕಿದಾರರ ಹೆಸರು. | ಕಟ್ಟಡದ ಹೆಸರು. | ಅಂದಾಜು ಕಿಮ್ಬತ್ತು. | ನಂಬರ್ ಅಥವಾ ಜಮೀನ್ದಾರಿ ಹೆಸರು. | ಮುಖ್ಯ ಅಥವಾ ಬಾಕಿ | ಯತ್ತು. | ವಿಸ್ತೀರ್ಣ. | ಲಕ್ಷಾಂಶ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ವ. ಗು. ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | | | | |
| 462 | 30 | 14 | 8 | 0 | 462 | 30 | 14 | 8 | 0 | 462 | 30 | 14 | 8 | 0 | 462 | 30 | 14 | 8 | 0 | 462 | 30 | 14 | 8 | 0 | 462 | 30 | 14 | 8 | 0 | 462 | 30 | 14 | 8 | 0 |
| 182 | 30 | 275 | 0 | 0 | 182 | 30 | 275 | 0 | 0 | 182 | 30 | 275 | 0 | 0 | 182 | 30 | 275 | 0 | 0 | 182 | 30 | 275 | 0 | 0 | 182 | 30 | 275 | 0 | 0 | 182 | 30 | 275 | 0 | 0 |
| 20 | 8 | 91 | 8 | 0 | 20 | 8 | 91 | 8 | 0 | 20 | 8 | 91 | 8 | 0 | 20 | 8 | 91 | 8 | 0 | 20 | 8 | 91 | 8 | 0 | 20 | 8 | 91 | 8 | 0 | 20 | 8 | 91 | 8 | 0 |
| 19 | 37 | 114 | 0 | 0 | 19 | 37 | 114 | 0 | 0 | 19 | 37 | 114 | 0 | 0 | 19 | 37 | 114 | 0 | 0 | 19 | 37 | 114 | 0 | 0 | 19 | 37 | 114 | 0 | 0 | 19 | 37 | 114 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 | 88 | 31 | 1 | 0 | 0 |
| 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | 31 | 1 | 0 | 0 | 89 | | | | | | | | | | | | | | |

* ಯಾ ಬಾಕಿ ಇರುವ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಸಂದರ್ಭಾನುಸಾರ ನಮೂದಿಸತಕ್ಕದ್ದು.

ಸ್ವರಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜು ಬಗ್ಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟ ಇಸ್ತಿಹಾರ್ ವ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪತ್ರಿಕೆ.

ತಾರೀಖು 1ನೇ ದಿನಂವರಿ 1904.

1895

1. ಕಂದಾಯದ ಬಾಕೀದಾರರಾದ ಜೋಡಿ ಕೊಡಂಡೆಹಳ್ಳಿ ಗ್ರಾಮದ ರಾಮಚಂದ್ರರಾವ್ ವಗೈರೆಯಿಂದ ಬರಬೇಕಾದ ಜಮೀನ್ ಕಂದಾಯದ ಬಾಕೀಗಾಗಿ ಇದರಡಿ ನಮೂದಾಗುವ ಸ್ವರಸ್ವತ್ತು ಕೋಲಾರ ಡಿವಿಷನ್ ಕೋಲಾರ ತಾಲ್ಲೂಕು ಕಛೇರಿಯಲ್ಲಿ 1905ನೇ ಇಸವಿ ಜನವರಿ ಮಾಹೆ 20ನೇ ತಾರೀಖಿನಲ್ಲಿ ಬಹಿರಂಗವಾದ ಹರಾಜು ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತದೆಂದು ಇದರಿಂದ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲ್ಪಟ್ಟು ಇದೆ.

ಹರಾಜು ದಿನ 11 ಫೆಬ್ರವರಿ ಉಪಕ್ರಮಿಸಲ್ಪಡುತ್ತದೆ. ಸ್ವತ್ತು ಏಕದಂ ಚಡ ದರಬಾಸ್ತು ದಾರನ ಹೆಸರಿಗೆ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತದೆ.

2. ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತಿಗೆ ಹರಾಜುದಾರನು 1903-04ನೇ ಸಾಲಿಗೆ ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ * ಪಾವತಿ ಮಾಡಬೇಕಾದ ಕಂದಾಯದ ಮೊಬಲಗು ಇದರಡಿ ಕಾಣಿಸಿರುವ ತಖ್ತೆಯಲ್ಲಿ ನಮೂದಿಸಿರುವ ತಪ್ಪೀರ ಮೇರಿಗೆ ರೂಪಾಯಿ 183-5-4 ಆಗಿರುತ್ತದೆ.

3. ಹರಾಜು ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಹರಾಜುದಾರನು ಹರಾಜು ಮೊಬಲಗಿನ ಕೇಕಡಾ 25 ರೂಪಾಯಿಗಳನ್ನು ಡಿಪಾಜಿಟ್ಟು ಹಾಜರಾದರೇ ಕಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಅದು ಜಾತಾ ಹರಾಜು ಬಾಬತು ಬಾಕೀ ಮೊಬಲಗು ಹರಾಜು ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯಿತು 15 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಪಾವತೀ ಮಾಡಲ್ಪಡದೇ ಹೋದಲ್ಲಿ ಮೇಲೆ ಹೇಳಿದ ಡಿಪಾಜಿಟ್ಟು ಮೊಬಲಗನ್ನು ಹಾಜರಾದುದಿರುವನು ಕಳೆದುಕೊಳ್ಳಲು ಗುರಿಯಾಗುತ್ತಾನೆ.

4. ಅಂಥಾ ಡಿಪಾಜಿಟ್ಟು ಮೊಬಲಗು ಹಾಜರಾದಲ್ಲದೇ ಯಾ ಹರಾಜು ಬಾಬತು ಬಾಕೀ ಮೊಬಲಗು ಪಾವತಿ ಮಾಡಲ್ಪಡದೆ ಹೋದಾಗ್ಯೂ ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತು ಮೊಬಲಗು ಹರಾಜುದಾರನ ಖರ್ಚಿನಿಂದಲೂ ಮತ್ತು ಅವನಿಗೆ ಅವರಿಂದ ಉಂಟಾಗಬಹುದಾದ ನಷ್ಟಕ್ಕೆ ಗುರಿಪಡಿಸಲು ಪುನಃ ಹರಾಜು ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತದೆ.

5. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡತಕ್ಕ ಜನಗಳು ಮುದ್ದು ತಮ್ಮ ಸ್ವಂತಕ್ಕೋಸ್ಕರ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಯಾ ಏಜಂಟು ಯಾ ಮುತಾಲೀಕರಾಗಿ ಸವಾಲ್ಪಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಎಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ತಿಳಿಸಬೇಕೆಂತಲೂ, ಇತರರಿಗೋಸ್ಕರ ಮುತಾಲೀಕರಾಗಿ ಸವಾಲ್ಪಡುವ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅಂಥಾ ತಮ್ಮ ಯಜಮಾನರಿಂದ ಸಹಿ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಲಿಖಿತವಾದ ಅಧಿಕಾರ ಪತ್ರಗಳನ್ನು ಹಾಜರಾಡುವಂತೆಯೂ ಕೇಳಲ್ಪಡಬಹುದು. ಅದನ್ನು ಅವರು ಹಾಜರಾದರೆ ಹೋದಲ್ಲಿ ಅವರ ಸವಾಲುಗಳು ತಿರಸ್ಕರಿಸಲ್ಪಡಬಹುದು.

6. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸ್ವತ್ತು ಯಾರ ಹೆಸರಿಗಾದರೂ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುವದಕ್ಕೆ ಮುಂಚಿತವಾಗಿ, ಬಾಕೀದಾರನಾಗಲೀ ಆತನ ತರಫಿನವನಾಗಿ ಪ್ರವರ್ತಿಸುವ ಯಾ ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಬಾಧ್ಯತೆ ಇರುತ್ತದೆಂದು ಹೇಳುವ ಯಾವ ಇತರ ಮನುಷ್ಯನೇ ಆಗಲೀ ಬಾಕಿಯಲ್ಲಿ ಬಂದಿರುವ ಪೂರಾ ಕಂದಾಯದ ಹಣವನ್ನೂ, ಬಡ್ಡಿ ಮತ್ತು ಇತರ ಖರ್ಚುಗಳ ಸಮೇತ ಹಾಜರಾದುವ ಪಕ್ಷಕ್ಕೆ ಹರಾಜು ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತದೆ.

7. ಹರಾಜು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಮಂಜೂರಾದಲ್ಲದುವ ತನಕ ಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜು ಪೂರ್ತಿಯಾಗುವದಿಲ್ಲ.

8. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ತೆಗೆದುಕೊಂಡವರು ಹರಾಜು ಮೊಬಲಗನ್ನು ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಹರಾಜು ಮಂಜೂರಾದಲ್ಲಟ್ಟು ಕೂಡ, ಹರಾಜುದಾರರು ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತಿನ ಸ್ವಾಧೀನವನ್ನು ಹೊಂದುವರು. ಮತ್ತು ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತು ಹರಾಜುದಾರನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ರಿಜಿಸ್ಟರ್ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಸ್ವೀಕೃತ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಬಂದು ಹರಾಜು ಸರಟಿಪುಕೇಟಿ ಆತನಿಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಡುವದು. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿವರಣೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಯಾ ವಿವರಣೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಇರುವ ಸ್ಥಾ ಲಿಫ್ಟುಗಳಿಗೆ ಗವರ್ನಮೆಂಟಿನವರು ಜಮಾಬದಾರರಲ್ಲವೆಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ಸ್ಪಷ್ಟವಾಗಿ ತಿಳಿದಿರತಕ್ಕದ್ದು.

9. ಹರಾಜಿನಿಂದ ತಮಗೆ ನಷ್ಟ ಉಂಟಾಯಿತೆಂದು ಎಣಿಸುವ ಜನಗಳು ಹರಾಜು ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯಿತು 30 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಮತ್ತು ಅವರ ಹುಕುಮಿನ ಮೇಲೆ ಕಾನೂನಿನಿಂದ ವಿಧಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ವಾಯಿದೆಯಲ್ಲಿ ಗವರ್ನಮೆಂಟಿನವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಸ್ವತಂತ್ರರಾಗಿರುತ್ತಾರೆ. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿಕ್ರಯವು ಅಂಥಾ ಅಪ್ಪೀಲಿನಲ್ಲಿ ಆಗುವ ಫೈನಲ್ ಹುಕುಮಿಗೆ ಬದ್ಧವಾಗಿರತಕ್ಕದ್ದು :-

| ತಾಲ್ಲೂಕು. | ಹೋಬಳಿ. | ಗ್ರಾಮ. | ಬಾಕೀದಾರರ ಹೆಸರು. | ಸ್ವತ್ತಿನ ತಪ್ಪೀರ. | | | | | | ಸರ್ಕಾರಕ್ಕೆ ಬರಬೇಕಾದ ನೋಟಿಸ್ ಫೀ ವಗೈರೆ ಸಹಿತವಾದ ಬಾಕೀ ಮೊಬಲಗು. | | | | |
|-----------|--------|------------------|-----------------------|---|---------------|--------------------------|--------------------------------|------------|-------|---|------------------|---------|----|---|
| | | | | ಕಟ್ಟಡಗಳು. | | ಜಮೀನು. | | | | | | | | |
| | | | | ಕಟ್ಟಡದ ಹೆಸರು. | ಅಂದಾಜು ಕಿಮತ್. | ನಂಬರ್ ಅಥವಾ ಜಮೀನಿನ ಹೆಸರು. | ಖಜಾನೆ, ತರೀಖು ಮತ್ತು ಬಾಕಿಯಾದುದು. | ವಿಸ್ತೀರ್ಣ. | ಅಕಾರ. | | | | | |
| ಕೋಲಾರ | ವಕ್ಕಳಿ | ಜೋಡಿ ಕೊಡಂಡೆಹಳ್ಳಿ | ರಾಮಚಂದ್ರರಾವ್ ವಗೈರೆಯರು | ... | ... | ... | ... | ಪರಂಪರಾಕು | 225 | 3 | ರೂ. ಆ. ಪೈ. 7 0 0 | 183 5 4 | | |
| | | | | ... | ... | ... | ... | ಮುಷ್ಠಿ | 77 | 35 | 261 | | 6 | 0 |
| | | | | ... | ... | ... | ... | ತರ | 12 | 7 | 49 | | 12 | 0 |
| | | | | ... | ... | ... | ... | ಬಾಗಾಯತು | 2 | 39 | 17 | | 0 | 0 |
| | | | | ... | ... | ... | ... | | 318 | 4 | 335 | | 2 | 0 |
| | | | | ಚಕ್ಕು ಬಂದಿ. | | | | | | | | | | |
| | | | | ಪೂರ್ವಕ್ಕೆ - ಆರಿದ್ರಾವರ ಸರಹದ್ದು. | | | | | | | | | | |
| | | | | ಪಶ್ಚಿಮಕ್ಕೆ - ಅಲಹಳ್ಳಿ ಸರಹದ್ದು. | | | | | | | | | | |
| | | | | ಉತ್ತರಕ್ಕೆ - ಗುರಿಗಿಂಜ ಗುರಿ ತಪ್ಪಾವನಹಳ್ಳಿ ಸರಹದ್ದು. | | | | | | | | | | |
| | | | | ದಕ್ಷಿಣಕ್ಕೆ - ಮೈಲಾಂಡಹಳ್ಳಿ ಸರಹದ್ದು. | | | | | | | | | | |
| | | | | ಪೂರಾ ಗ್ರಾಮ. | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |

* ಯಾ ಬಾಕಿ ಇರುವ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಸಂದರ್ಭಾನುಸಾರ ನಮೂದಿಸತಕ್ಕದ್ದು.

ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜ್ ಬಗ್ಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟ ಇಸ್ತಿಹಾರ್ ವ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪತ್ರಿಕೆ.

ತಾರೀಖು 1ನೇ ಡಿಸೆಂಬರ್ 1904.

1. ಕಂದಾಯದ ಬಾಕೀದಾರರಾದ ಜೋಡಿ ಚಿಕ್ಕನಹಳ್ಳಿ ಗ್ರಾಮದ ಸಂಜಾಂಡಯ್ಯ ವಗೈರೆಯಿಂದ ಬರಬೇಕಾದ ಜಮೀನ್ ಕಂದಾಯದ ಬಾಕೀಗಾಗಿ ಇದರಡಿ ನಮೂದಾಗುವ ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತು ಕೋಲಾರ ಡಿಪ್ಯುಟಿ ಕೋಲಾರ ತಾಲ್ಲೂಕು ಕಛೇರಿಯಲ್ಲಿ 1905ನೇ ಇಸವಿ ಜನವರಿ ಮಾಸ 20ನೇ ತಾರೀಖಿನಲ್ಲಿ ಬಹಿರಂಗವಾದ ಹರಾಜು ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆಂದು ಇದರಿಂದ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲ್ಪಟ್ಟು ಇದೆ.

ಹರಾಜು ದಿನ 11 ಫೆಬ್ರವರಿಗೆ ಉದ್ಘಾಟಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ. ಸ್ವತ್ತು ಏಕದಂ ಚಡ ದರಖಾಸ್ತದಾರನ ಹೆಸರಿಗೆ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

2. ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿಗಾಗಿ ಹರಾಜುದಾರನು 1903-04ನೇ ಸಾಲಿಗೆ ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ * ಪಾವತಿ ಮಾಡಬೇಕಾದ ಕಂದಾಯದ ಮೊಬಲಗು ಇದರಡಿ ಕಾನೂನುಬಾಹಿರವಾದ ತಪ್ಪಿ ಯಲ್ಲಿ ನಮೂದಿಸಿರುವ ತಪ್ಪಿಲೆ ಮೇರಿಗೆ ರೂಪಾಯಿ 91-8-6 ಆಗಿರುತ್ತೆ.

3. ಹರಾಜು ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಹರಾಜುದಾರನು ಹರಾಜ್ ಮೊಬಲಗಿನ ಕೀಳಡಾ 15 ರೂಪಾಯಿಗಳನ್ನು ಡಿಪಾಜಿಟ್ಟು ಹಾಜರಾದಲ್ಲಿ ಕಾನೂನುಬಾಹಿರವಾದ ಹರಾಜು ಬಾಬಿತ್ತು ಬಾಕೀ ಮೊಬಲಗು ಹರಾಜ್ ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯತು 15 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಪಾವತಿಸಿ ಮಾಡಲ್ಪಡದೇ ಹೋದರೆ ಮೇಲೆ ಹೇಳಿದ ಡಿಪಾಜಿಟ್ಟು ಮೊಬಲಗನ್ನು ಹಾಜರಾದಲ್ಲಿರುವವನು ಕಳೆದುಕೊಳ್ಳಲು ಗುರಿಯಾಗುತ್ತಾನೆ.

4. ಅಂಥಾ ಡಿಪಾಜಿಟ್ಟು ಮೊಬಲಗು ಹಾಜರಾದಲ್ಲಿರುವ ಯಾ ಹರಾಜು ಬಾಬಿತ್ತು ಬಾಕೀ ಮೊಬಲಗು ಪಾವತಿ ಮಾಡಲ್ಪಡದೇ ಹೋದಾಗ್ಯೂ ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತು ನೋವಲು ಹರಾಜುದಾರನ ಖರ್ಚಿನಿಂದಲೂ ಮತ್ತು ಅವನಿಗೆ ಅದರಿಂದ ಉಂಟಾಗುವುದಾದ ನಷ್ಟಕ್ಕೆ ಗುರಿಪಡಿಸಿದರೂ ಪುನಃ ಹರಾಜು ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

5. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡತಕ್ಕ ಜನಗಳು ಮುದ್ದು ಇವತ್ತು ಸ್ವಂತಕ್ಕೋಸ್ಕರ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಯಾ ವಿಜಂಬು ಯಾ ಮುಂತಾದೀತಾಗಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಎಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ತೀರಿಸಬೇಕೆಂತಲೂ, ಇತರರೋಸ್ಕರ ಮುಂತಾದೀತಾಗಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುವ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅಂಥಾ ತಮ್ಮ ವಿಜಮಾನರಿಂದ ಸಹ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟ ಲಿಖಿತವಾದ ಅಧಿಕಾರ ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ಹಾಜರ ಮಾಡುವಂತೆಯೂ ಕೇಳಲ್ಪಡುವುದು. ಅವನ್ನು ಅವರು ಹಾಜರಾದರೆ ಹೋದರೆ ಅವರ ಸವಾಲುಗಳು ತಿರಸ್ಕರಿಸಲ್ಪಡುವುದು.

6. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸ್ವತ್ತು ಯಾರ ಹೆಸರಿಗಾದರೂ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುವದಕ್ಕೆ ಮುಂಚಿತವಾಗಿ, ಬಾಕೀದಾರನಾಗಲೀ ಅತನ ತರಫಿನವನಾಗಿ ಪ್ರವರ್ತಿಸುವ ಯಾ ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಬಾಧ್ಯತೆ ಇರುತ್ತೆಂದು ಹೇಳುವ ಯಾವ ಇತರ ಮನುಷ್ಯನೇ ಆಗಲೀ ಬಾಕಿಯಲ್ಲಿ ಬಂದಿರುವ ಪೂರಾ ಕಂದಾಯದ ಹಣವನ್ನೂ, ಬಡ್ತಿ ಮತ್ತು ಇತರ ಖರ್ಚುಗಳ ಸಮೇತ ಹಾಜರಾದವ ಪಕ್ಷಕ್ಕೆ ಹರಾಜು ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

7. ಹರಾಜು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಮಂಜೂರಾದಲ್ಲಿರುವ ತನಕ ಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜು ಪೂರ್ತಿಯಾಗುವದಿಲ್ಲ.

8. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ತೆಗೆದುಕೊಂಡವರು ಹರಾಜ್ ಮೊಬಲಗನ್ನು ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಿದಮೇಲೆ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಹರಾಜು ಮಂಜೂರಾದಲ್ಲಿ ಕೂಡೆ, ಹರಾಜುದಾರರು ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿನ ಸ್ವಾಧೀನವನ್ನು ಹೊಂದುವರು. ಮತ್ತು ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತು ಹರಾಜುದಾರನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ರಿಜಿಸ್ಟರ್ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಸ್ವೀಕೃತ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು, ಒಂದು ಹರಾಜ್ ಸರ್ಟಿಫಿಕೇಟ್ ಆತನಿಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಡುವುದು. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿವರಣೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಯಾ ಮುಣಾದಲ್ಲಿಯೂ ಇರುವ ಸ್ವಾಧೀನಕ್ಕೆ ಗವರ್ನ ಮಂಟವರ, ಇವಾಬ್ದಾರಿಲ್ಲದಂಥಾ ಅಂಶವನ್ನು ಸ್ಪಷ್ಟವಾಗಿ ತಿಳಿಸತಕ್ಕದ್ದು.

9. ಹರಾಜಿನಿಂದ ತಮಗೆ ಎಷ್ಟು ಉಂಟಾಯಿತೆಂದು ಎಣಿಸುವ ಜನಗಳು ಹರಾಜ್ ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯತು 30 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಮತ್ತು ಅವರ ಹುಕುಮಿನ ಮೇಲೆ ಕಾನೂನಿನಿಂದ ವಿಧಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ವಾಯಿದೆಯಲ್ಲಿ ಗವರ್ನಮಂಟವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಸ್ವತಂತ್ರರಾಗಿರುತ್ತಾರೆ. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿಷಯವು ಅಂಥಾ ಅಪ್ಪೀಲಿನಲ್ಲಿ ಆಗುವ ಫೈನಲ್ ಹುಕುಮಿಗೆ ಬದ್ಧವಾಗಿರತಕ್ಕದ್ದು :-

| ಕೋಲಾರ ಪಕ್ಕಲೆರಿ ಬೋಡಿ ಚಿಕ್ಕನಹಳ್ಳಿ | | ಸ್ವತ್ತಿನ ತಪ್ಪಿಲೆ. | | | | | | | | | |
|---|-----------------|-------------------|-------------|---------|----------|--------|------------|--|------------------------------|--|--|
| ಕೋಲಾರಕು. ಕೋಲಾರ, ಗ್ರಾಮ. | ಬಾಕೀದಾರ, ಹೆಸರು. | ಕಟ್ಟಡಗಳು. | | ಜಮೀನು. | | | | ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತು ಬರಬೇಕಾದ ಮೊಬಲಗು ಫೀಡ್‌ಬ್ಯಾಕ್ ಮಾಡಬೇಕಾದ ಮೊಬಲಗು. | ಫೀಡ್‌ಬ್ಯಾಕ್ ಮಾಡಬೇಕಾದ ಮೊಬಲಗು. | | |
| | | ಕಟ್ಟಡದ ಹೆಸರು. | ಅದರ ಚಾಲ್ತಿ. | ಸಂಖ್ಯೆ. | ಹೆಸರು. | ಮೊತ್ತ. | ತರೀಖು. | | | | |
| ನಂಜಾಂಡಯ್ಯ ವಗೈರೆಯರು | ... | ... | ... | ... | ಪರಂವೋಕು. | 375 23 | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | | | |
| | ... | ... | ... | ... | ಮುಟ್ಟು. | 139 38 | 227 12 0 | 90 8 6 | ಕೋಲಾರಕು. | | |
| | ... | ... | ... | ... | ತರಿ | 11 15 | 43 8 0 | 1 0 0 | ಪುನಸೆ ಫೀ | | |
| | ... | ... | ... | ... | ಬಾಗಾಯತು. | 12 23 | 72 0 0 | | | | |
| | ... | ... | ... | ... | | 539 19 | 355 0 0 | 91 8 6 | | | |
| ಚಿಕ್ಕು ಬಂದಿ. | | | | | | | | | | | |
| ಪೂರ್ವಕ್ಕೆ - ಕಟ್ಟುಗಾನಹಳ್ಳಿ ಸರಹದ್ದು. | | | | | | | | | | | |
| ಪಶ್ಚಿಮಕ್ಕೆ - ಬಟ್ಟುಬೆಳೆಚೇನಹಳ್ಳಿ ಸರಹದ್ದು. | | | | | | | | | | | |
| ಉತ್ತರಕ್ಕೆ - ಬಟ್ಟುಹಳ್ಳಿ ಸರಹದ್ದು. | | | | | | | | | | | |
| ದಕ್ಷಿಣಕ್ಕೆ - ಕಟ್ಟುಕೊತ್ತ ನೂರು ಸರಹದ್ದು. | | | | | | | | | | | |
| ಪೂರಾಗಾಯತು | | | | | | | | | | | |

* ಯಾ ಬಾಕಿ ಇರುವ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಸಂದರ್ಭಾನುಸಾರ ನಮೂದಿಸತಕ್ಕದ್ದು.

ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜ್ ಬಗ್ಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟ ಇಸ್ತಿಹಾರ್ ವ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪತ್ರಿಕೆ.

ತಾರೀಖು 6ನೇ ಡಿಸೆಂಬರ್ 1904.

1. ಕಂದಾಯ ಬಾಕೀದಾರರಾದ ಮುದವತ್ತಿ ಗ್ರಾಮದ ಶ್ಯಾನಭೋಗ ಲಕ್ಷ್ಮೀಪತಯ್ಯನಿಂದ ಬರಬೇಕಾದ ಜಮೀನ್ ಕಂದಾಯ ಬಾಕೀಗಾಗಿ ಇದರಡಿ ನಮೂದಾಗುವ ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತು ಕೋಲಾರ ಡಿಪ್ಪಿಕ್ಕು ಕೋಲಾರ ತಾಲ್ಲೂಕು ಮುದವತ್ತಿ ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಸೆ. 1905ನೇ ಇಸವಿ ಜನವರಿ 17ನೇ ತಾರೀಖಿನಲ್ಲಿ ಬಹಿರಂಗವಾದ ಹರಾಜು ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆಂದು ಇದರಿಂದ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲ್ಪಟ್ಟು ಇದೆ.

ಹರಾಜು ಆ ದಿವಸ ದಿನ 12 ಘಂಟೆಗೆ ಉಪಕ್ರಮಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ. ಸ್ವತ್ತು ವಿಕರಂ ಚಡದರಬಾಸ್ತುದಾರನ ಹೆಸರಿಗೆ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

2. ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತಿಗಾಗಿ ಹರಾಜುದಾರನು 1904ನೇ ಸಾಲಿಗೆ ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ * ವ್ಯವಸಾಯದ ಬ್ಯಾಂಕಿನ ಬಾಬತು ಸಾಲದ ಮೊಬಲಗು ಸರ್ಕಾರಕ್ಕೆ ಪಾವತಿ ಮಾಡಬೇಕಾದ ಕಂದಾಯದ ಮೊಬಲಗು ಇದರಡಿ ಕಾಣಿಸಿರುವ ತಹಶೀಲ್ದಾರನಲ್ಲಿ ನಮೂದಿಸಿರುವ ತಪ್ಪೀಲ್ ಮೇರಿಗೆ ರೂಪಾಯಿ 81 - 0 - 0 ಆಗಿರುತ್ತೆ.

3. ಹರಾಜು ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಹರಾಜುದಾರನು ಹರಾಜ್ ಮೊಬಲಗಿನ ಶೇಕಡಾ 25 ರೂಪಾಯಿಗಳನ್ನು ಡಿವಿಡೆಂಡ್ ಹಾಜರಾಡಬೇಕಾಗಿರುತ್ತೆ. ಅದು ಜು. ತಾ. ಹರಾಜು ಬಾಬತು ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು ಹರಾಜು ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯಿತು 15 ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಲ್ಪಡಬೇಕೋದರಲ್ಲಿ ಮೇಲೆ ಹೇಳಿದ ಡಿವಿಡೆಂಡ್ ಮೊಬಲಗನ್ನು ಹಾಜರಾಡಿದವನು ಕಳೆದ ಕೊಳ್ಳಲು ಗುರಿಯಾಗುತ್ತಾನೆ.

4. ಅಂಥಾ ಡಿವಿಡೆಂಡ್ ಮೊಬಲಗು ಹಾಜರಾಡಲ್ಪಡದೆ ಯಾ ಹರಾಜು ಬಾಬತು ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು ಪಾವತಿ ಮಾಡಲ್ಪಡದೆ ಹೋದಾಗ್ಯೂ ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತು ಮೊದಲು ಹರಾಜುದಾರನ ಖರ್ಚಿನಿಂದಲೂ ಮತ್ತು ಅವನಿಗೆ ಅದರಿಂದ ಉಂಟಾಗಬಹುದಾದ ನಷ್ಟಕ್ಕೆ ಗುರಿಮಾಡಿಯೂ ಪುನಃ ಹರಾಜು ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

5. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡತಕ್ಕ ಜನಗಳು ಖುದ್ದು ತಮ್ಮ ಸ್ವಂತಕ್ಕೋಸ್ಕರ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಯಾ ವಿಜಂಟು ಯಾ ಮುತಾಲೀಕರಾಗಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಎಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ತಿಳಿಸಬೇಕೆಂತಲೂ, ಇತರರಿಗೋಸ್ಕರ ಮುತಾಲೀಕರಾಗಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುವ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅಂಥಾ ತಮ್ಮ ಯಜಮಾನರಿಂದ ಸಹಿ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟ ಲಿಖಿತವಾದ ಅಧಿಕಾರ ಪತ್ರಿಯನ್ನು ಹಾಜರಾಡುವಂತೆಯೂ ಕೇಳಲ್ಪಡಬಹುದು. ಅದನ್ನು ಅವರು ಹಾಜರಾಡದೆ ಹೋದಲ್ಲಿ ಅವರ ಸವಾಲುಗಳು ತಿರಸ್ಕರಿಸಲ್ಪಡಬಹುದು.

6. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸ್ವತ್ತು ಯಾರ ಹೆಸರಿಗಾದರೂ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುವದಕ್ಕೆ ಮುಂಚಿತವಾಗಿ ಬಾಕೀದಾರನಾಗಲೀ ಆತನ ತರಫಿ ನವನಾಗಿ ಪ್ರವರ್ತಿಸುವ ಯಾ ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಬಾಧ್ಯತೆ ಇರುತ್ತೆಂದು ಹೇಳುವ ಯಾವ ಇತರ ಮನುವ್ಯನೇ ಆಗಲೀ ಬಾಕೀಯಲ್ಲಿ ಬಂದಿರುವ ಪುರಾ ಕಂದಾಯದ ಹಣವನ್ನೂ, ಬಡ್ತಿ ಮತ್ತು ಇತರ ಖರ್ಚುಗಳ ಸಮೇತ ಹಾಜರಾಡುವ ಪಕ್ಷಕ್ಕೆ ಹರಾಜು ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

7. ಹರಾಜು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಮಂಜೂರಾಡಲ್ಪಡುವ ತನಕ ಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜು ಪೂರ್ತಿಯಾಗುವದಿಲ್ಲ.

8. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ತೆಗೆದುಕೊಂಡವರು ಹರಾಜ್ ಮೊಬಲಗನ್ನು ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಹರಾಜು ಮಂಜೂರಾಡಲ್ಪಟ್ಟುಕೊಡ್ತೆ. ಹರಾಜುದಾರರು ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತಿನ ಸ್ವಾಧೀನವನ್ನು ಹೊಂದುವರು. ಮತ್ತು ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತು ಹರಾಜುದಾರನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ರಿಜಿಸ್ಟರ್ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಸ್ವರ್ಗ ಮೊಹರ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಬಂದು ಹರಾಜ್ ಸರಟುಕೊಡಲೆ ಆತನಿಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಡುವದು. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿವರಣೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಯಾ ವಿಸ್ತೀರ್ಣದಲ್ಲಿಯೂ ಇರುವ ಸ್ಕೂಲಿತ್ಯಗಳಿಗೆ ಗವರ್ನಮೆಂಟಿನವರು ಜವಾಬ್ದಾರ್ವಹವೆಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ಸ್ಪಷ್ಟವಾಗಿ ತಿಳಿದಿರತಕ್ಕದ್ದು.

9. ಹರಾಜಿನಿಂದ ತಮಗೆ ನಷ್ಟ ಉಂಟಾಯಿತೆಂದು ಎಣಿಸುವ ಜನಗಳು ಹರಾಜ್ ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯಿತು 30 ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಮತ್ತು ಅವರ ಹುಕುಮಿನ ಮೇಲೆ ಕನೂಕಿನಿಂದ ವಿಧಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ವಾಯಿದೆಯಲ್ಲಿ ಗವರ್ನಮೆಂಟಿನವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಸ್ವತಂತ್ರರಾಗಿರುತ್ತಾರೆ. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿಕ್ರಯವು ಅಂಥಾ ಅಪ್ಪೀಲಿನಲ್ಲಿ ಆಗುವ ಫೈನಲ್ ಹುಕುಮಿಗೆ ಬದ್ಧವಾಗಿರತಕ್ಕದ್ದು :—

| ಕೋಲಾರ ವಕ್ಫ್ ಲಿರಿ ಮುದವತ್ತಿ | | ಕೋಲಾರ ಗ್ರಾಮ. | | ಬಾಕೀದಾರರ ಹೆಸರು. | | ಸ್ವತ್ತಿನ ತಪ್ಪೀಲ್. | | | | | | | | | | ಸರ್ಕಾರಕ್ಕೆ ಬರಬೇಕಾದ ನೋಟಿಸ್ ಫೀ ವಗೈರಿ ಸಹಿತವಾದ ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು. | | | | | | |
|---------------------------|--------|--------------|----|-----------------|----|-------------------|----|--------|---|---------------|--|---------------|--|------------------|--|---|--|------------|--|-------|--|--|
| ರೂ. ಆ. ಪೈ. | | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | | ಕಟ್ಟಡಗಳು. | | ಜಮೀನು. | | ಕಟ್ಟಡದ ಹೆಸರು. | | ಅಂದಾಜು ಕಟ್ಟಡ. | | ನಂಬರಿ ಅಥವಾ ಬಾಕಿ. | | ಮುಖ್ಯ ತರೀ ಅಥವಾ ಬಾಗಾಯತು. | | ವಿಸ್ತೀರ್ಣ. | | ಆಕಾರ. | | |
| 163 | ಬುಟ್ಟಿ | 3 | 16 | 6 | 8 | 0 | 80 | 0 | 0 | ಸಾಲದ ಮೊಬಲಗು. | | | | | | | | | | | | |
| 121 | ಡಿಬೋ | 0 | 22 | 1 | 0 | 0 | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 158 | ಡಿಬೋ | 2 | 10 | 4 | 8 | 0 | 1 | 0 | 0 | ಪ್ರೆಸೆನ್ ಫೀ | | | | | | | | | | | | |
| 6 | 8 | 12 | 0 | 0 | 81 | 0 | 0 | | | | | | | | | | | | | | | |

* ಯಾ ಬಾಕಿ ಇರುವ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಸಂದರ್ಭಾನುಸಾರ ನಮೂದಿಸತಕ್ಕದ್ದು.

ಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜ್ ಬಗ್ಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟ ಇಸ್ತಿಹಾರ ವ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪತ್ರಿಕೆ.

ತಾರೀಖು 6ನೆ ದಿನವಾರ 1904.

184

1. ಕಂದಾಯದ ಬಾಕೀದಾರರಾದ ಮುದವತ್ತಿ ಗ್ರಾಮದ ರಾಮಪ್ಪ ಬೀ ವೆಂಕಟರಾಮಯ್ಯನಿಂದ ಬರಬೇಕಾದ ಜಮೀನ್ ಕಂದಾಯದ ಬಾಕೀಗಾಗಿ ಇದರಡಿ ನಮೂದುಗುವ ಸ್ವತ್ತಿನ ಕೋಲಾರ ಡಿಪ್ಯುಟಿ ಕೋಲಾರ ತಾಲ್ಲೂಕು ಮುದವತ್ತಿ ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಸೆ 1905ನೆ ಇಸವಿ ಜನವರಿ 17ನೆ ತಾರೀಖಿನಲ್ಲಿ ಬಹಿರಂಗವಾದ ಹರಾಜ್ ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆಂದು ಇದರಿಂದ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲ್ಪಟ್ಟು ಇದೆ.

ಹರಾಜ್ ಆ ದಿವಸ ದಿವಿ 12 ಘಂಟೆಗೆ ಉದ್ಘಾಟಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ. ಸ್ವತ್ತು ಏಕದಂ ಚಡದರಬಾಸು ದಾರನ ಹೆಸರಿಗೆ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

2. ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿಗಾಗಿ ಹರಾಜುದಾರನು 1904ನೆ ಸಾಲಿಗೆ ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ * ವ್ಯವಸಾಯದ ಬ್ಯಾಂಕಿನ ಬಗ್ಗೆ ಸಾಲದ ಮೊಬಲಗು ಸರ್ಕಾರಕ್ಕೆ ಪಾವತಿ ಮಾಡಬೇಕಾದ ಕಂದಾಯದ ಮೊಬಲಗು ಇದರಡಿ ಕಾಣಿಸಿರುವ ತಖ್ತೆಯಲ್ಲಿ ನಮೂದಿಸಿರುವ ತಪ್ಪೇಲ್ ಮೇಲಿಗೆ ರೂಪಾಯಿ 441-0-0 ಆಗಿರುತ್ತೆ.

3. ಹರಾಜ್ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಹರಾಜುದಾರನು ಹರಾಜ್ ಮೊಬಲಗಿನ ಶೇಕಡಾ 25 ರೂಪಾಯಿಗಳನ್ನು ದಿವಾಜಿಟ್ಟು ಹಾಜರಾಡಬೇಕಾಗಿರುತ್ತೆ. ಅದು ಜಾತಾ ಹರಾಜ್ ಬಾಬತು ಬಾಕೀ ಮೊಬಲಗು ಹರಾಜ್ ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯಿತು 15 ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಪಾವತೀ ಮಾಡಲ್ಪಡಬೇ ಹೋದಲ್ಲಿ ಮೇಲೆ ಹೇಳಿದ ದಿವಾಜಿಟ್ಟು ಮೊಬಲಗನ್ನು ಹಾಜರಾಡಿದವನು ಕಳದುಕೊಳ್ಳಲು ಗುರಿಯಾಗುತ್ತಾನೆ.

4. ಅಂಥಾ ದಿವಾಜಿಟ್ಟು ಮೊಬಲಗು ಹಾಜರಾಡಲ್ಪಡದೆ ಯಾ ಹರಾಜ್ ಬಾಬತು ಬಾಕೀ ಮೊಬಲಗು ಪಾವತಿ ಮಾಡಲ್ಪಡದೆ ಹೋದಾಗ್ಯೂ ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತು ಸೂದಲು ಹರಾಜುದಾರನ ಖರ್ಚಿನಿಂದಲೂ ಮತ್ತು ಅವನಿಗೆ ಅದರಿಂದ ಉಂಟಾಗಬಹುದಾದ ನಷ್ಟಕ್ಕೆ ಗುರಿಪಡಿಸಿಯೂ ಪುನಃ ಹರಾಜ್ ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

5. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸವಾಲ್ ಮಾಡತಕ್ಕ ಜನಗಳು ಖುದ್ದ ತಮ್ಮ ಸ್ವಂತಕ್ಕೋಸ್ಕರ ಸವಾಲ್ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಯಾ ಏಜಂಟು ಯಾ ಮುತಾಲೀಕರಾಗಿ ಸವಾಲ್ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಎಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ತಿಳಿಸಬೇಕೆಂತಲೂ, ಇತರರನ್ನೋಸ್ಕರ ಮುತಾಲೀಕರಾಗಿ ಸವಾಲ್ ಮಾಡುವ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅಂಥಾ ತಮ್ಮ ಯಜಮಾನರಿಂದ ಸಹಿ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟ ಲಿಖಿತವಾದ ಅಧಿಕಾರ ಪತ್ರೀಕೆಯನ್ನು ಹಾಜರಾಡುವಂತೆಯೂ ಕೇಳಲ್ಪಡಬಹುದು. ಅದನ್ನು ಅವರು ಹಾಜರಾಡದೆ ಹೋದಲ್ಲಿ ಅರರ ಸವಾಲುಗಳು ತೀರ್ಮಾನವಾಗಬಹುದು.

6. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸ್ವತ್ತು ಯಾರ ಹೆಸರಿಗಾದರೂ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುವದಕ್ಕೆ ಮುಂಚಿತವಾಗಿ ಬಾಕೀದಾರನಾಗಲೀ ಆತನ ತರಫಿನವನಾಗಿ ಪ್ರವರ್ತಿಸುವ ಯಾ ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಬಾಧ್ಯತೆ ಇರುತ್ತೆಂದು ಹೇಳುವ ಯಾವ ಇತರ ಮನುಷ್ಯನೇ ಆಗಲೀ ಬಾಕಿಯಲ್ಲಿ ಬಂದಿರುವ ಪುರಾ ಕಂದಾಯದ ಕಣವನ್ನು ಬಡ್ತಿ ಮತ್ತು ಇತರ ಖರ್ಚುಗಳ ಸಮೇತ ಹಾಜರಾಡುವ ಪಕ್ಷಕ್ಕೆ ಹರಾಜ್ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

7. ಹರಾಜ್ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಮಂಜೂರಾಡಲ್ಪಡುವ ತನಕ ಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜ್ ಪೂರ್ತಿಯಾಗುವದಿಲ್ಲ.

8. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ತೆಗೆದುಕೊಂಡವರು ಹರಾಜ್ ಮೊಬಲಗನ್ನು ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಹರಾಜ್ ಮಂಜೂರಾಡಲ್ಪಟ್ಟುಕೊಡ್ತೆ, ಹರಾಜುದಾರರು ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿನ ಸ್ವಾಧೀನವನ್ನು ಹೊಂದುವರು. ಮತ್ತು ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತು ಹರಾಜುದಾರನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ರಿಜಿಸ್ಟರ್ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಸ್ವಲ್ಪ ಮೊಹರ್ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಬಂದು ಹರಾಜ್ ಸರಟುಕೇಲಿ ಆತನಿಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಡುವದು. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿವರಣೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಯಾ ವಿಸ್ತೀರ್ಣದಲ್ಲಿಯೂ ಇರುವ ಸ್ಥಳೀತೆಗಳಿಗೆ ಗವರ್ನಮೆಂಟಿನವರು ಜಮಾಬದಾರರಲ್ಲಿನಂಬಿ ಅಂಕವನ್ನೆ ಸ್ಪಷ್ಟವಾಗಿ ತಿಳಿದಿರತಕ್ಕದ್ದು.

9. ಹರಾಜಿನಿಂದ ತಮಿಗೆ ನಷ್ಟ ಉಂಟಾಯಿತೆಂದು ಎಣಿಸುವ ಜನಗಳು ಹರಾಜ್ ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯಿತು 30 ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಮತ್ತು ಅರರ ಹುಕುಮಿನ ಮೇಲೆ ಕಾನೂನಿನಿಂದ ವಿಧಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ವಾಯಿದೆಯಲ್ಲಿ ಗವರ್ನಮೆಂಟಿನವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಸ್ವತಂತ್ರರಾಗಿರುತ್ತಾರೆ. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿಷಯವು ಅಂಥಾ ಅಪ್ಪೀಲಿನಲ್ಲಿ ಆಗುವ ಪೈಸಲ್ ಹುಕುಮಿಗೆ ಬದ್ಧವಾಗಿರತಕ್ಕದ್ದು :-

| ತಾಲ್ಲೂಕು. | | | ಹೋಬ್ಬೆ. | | | ಗ್ರಾಮ. | | | ಬಾಕೀದಾರರ ಹೆಸರು. | | | ಸ್ವತ್ತಿನ ತಪ್ಪೇಲ್. | | | | | | ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿನ ಬರಬೇಕಾದ ರೂ. ಆ. ಪೈ. | | | | | | ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿನ ಸಹಿತವಾದ ರೂ. ಆ. ಪೈ. | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--------------------------|--|--|-----------------------|--|--|--------|--|--|-----------------|--|--|-------------------|------------|---|---------------|----|----|----------------------------------|-----|---|---------------|----------------------|--|----------------------------------|--|--|---------------|--|--|-----|--|--|--------|--|--|-----|--|--|--------|--|--|
| | | | | | | | | | | | | ಕಟ್ಟಡಗಳು. | | | ಜಮೀನು. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | ಕಟ್ಟಡದ ಸಂಖ್ಯೆ. | | | ಅಂದಾಜು ಕಿಮತ್. | | | ಸಂಖ್ಯೆ. | | | ಅಂದಾಜು ಕಿಮತ್. | | | ಮೀಸಲ್. | | | ಅಂದಾಜು ಕಿಮತ್. | | | ರೂ. | | | ಆ. ಪೈ. | | | ರೂ. | | | ಆ. ಪೈ. | | |
| ಕೋಲಾರ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳ ಮುದವತ್ತಿ | | | ರಾಜಪ್ಪ ಬೀ ವೆಂಕಟರಾಮಯ್ಯ | | | :: | | | ರೂ. ಆ. ಪೈ. | | | 119 | ಖುಷ್ಕಿ ... | 6 | 1 | 13 | 0 | 0 | 440 | 0 | 0 | ಸಾಲದ ಮೊಬಲಗು ಫೈನಲ್ ಫೀ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | 1 | ಬಾಗಾಯತು. | 1 | 10 | 7 | 12 | 0 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | 115 | ಖುಷ್ಕಿ ... | 0 | 9 | 0 | 4 | 0 | 1 | 0 | 0 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | 25 | ತು | 0 | 8 | 1 | 4 | 0 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | 28 | ಡಿಬೋ | 0 | 16 | 2 | 4 | 0 | 441 | 0 | 0 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | 29 | ಡಿಬೋ | 1 | 24 | 9 | 8 | 0 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | 80 | ಡಿಬೋ | 0 | 22 | 3 | 8 | 0 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | 70 | ಡಿಬೋ | 1 | 2 | 6 | 8 | 0 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | 98 | ಖುಷ್ಕಿ ... | 3 | 29 | 8 | 0 | 0 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

* ಯಾ ಬಾಕಿ ಇರುವ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಸಂದರ್ಭಾನುಸಾರ ನಮೂದಿಸತಕ್ಕದ್ದು.

ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜಿನ ಬಗ್ಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟ ಇಸ್ತೀಹಾರ್ ವ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪತ್ರಿಕೆ.

ತಾರೀಖು 6ನೇ ದಿನಂಚರ 1904.

1. ಕಂದಾಯದ ಬಾಕೀದಾರರಾದ ನರ್ಸಹಳ್ಳಿ ಗ್ರಾಮದ ಸಾರಣಪ್ಪ ಬೀ ಕಂಟರಾಮಯ್ಯನಿಂದ ಬರಬೇಕಾದ ಜಮೀನ್ ಕಂದಾಯದ ಬಾಕೀಗಾಗಿ ಎರಡೇ ನಮೂದಾಗುವ ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತು ಕೋಲಾರ ಡಿಪ್ಯುಟಿ ಕೋಲಾರ ತಾಲ್ಲೂಕು ನರ್ಸಹಳ್ಳಿ ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಸೆ 1905ನೇ ಇಸವಿ ಜುಲೈ 17ನೇ ತಾರೀಖಿನಲ್ಲಿ ಬಹಿರಂಗವಾದ ಹರಾಜು ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆಂದು ಇದರಿಂದ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲ್ಪಟ್ಟು ಇದೆ.

ಹರಾಜು ದಿನ 12 ಫೆಬ್ರವರಿಗೆ ಉಪಕ್ರಮಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ. ಸ್ವತ್ತು ಪಕ್ಕದಂ ಹೆಡವರಮನ್ನು ದಾರನ ಹೆಸರಿಗೆ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

2. ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತಿಗಾಗಿ ಹರಾಜುದಾರನು 1904ನೇ ಸಾಲಿಗೆ 10 ತಾಯಾಗಿ ವ್ಯವಸಾಯದ ಬ್ಯಾಂಕು ಸಾಲದ ಮೊಬಲಗು ಸರಕಕ್ಕೆ ಪಾವತಿ ಮಾಡಬೇಕಾದ ಕಂದಾಯದ ಮೊಬಲಗು ಇದರಡಿ ಕಾನೂನಿನಂತೆ ತಪ್ಪಿಯಲ್ಲಿ ನಮೂದಿಸಿರುವ ತಪ್ಪೀಲ ಮೇರೆಗೆ ರೂಪಾಯಿ 613-8-0 ಆಗಿರುತ್ತೆ.

3. ಹರಾಜು ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಹರಾಜಿದಾರನು ಹರಾಜು ಮೊಬಲಗು ಕೇಕಡಾ 25 ರೂಪಾಯಿಗಳನ್ನು ಡಿಮಾಂಡ್ ಮಾಡಬೇಕಾಗಿರುತ್ತೆ. ಅದು ಪಾವತಾ ಹರಾಜು ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು ಹರಾಜು ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯತು 15 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಪಾವತೀ ಮಾಡಲ್ಪಡಬೇಕಾದ್ದು ಮೇಲೆ ಹೇಳಿದ ಡಿಮಾಂಡ್ ಮೊಬಲಗನ್ನು ಹ. ಜ್ಯಾ. ಡಿ. ರವರು ಕಳೆದುಕೊಳ್ಳಲು ಗುರಿಯಾಗುತ್ತಾನೆ.

4. ಅಂದಾ ಡಿಮಾಂಡ್ ಮೊಬಲಗು ಹ. ಜ್ಯಾ. ಡಿ. ರವರ ಯಾ ಹರಾಜು ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು ಪಾವತೀ ಮಾಡಲ್ಪಡಬೇಕಾದ್ದು ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತು ಮಾಡಲು ಹರಾಜುದಾರನ ಖರ್ಚಿನಿಂದಲೂ ಮತ್ತು ಅವನಿಗೆ ಅದರಿಂದ ಉಂಟಾಗುವುದಾದ ಸವಕಳಿ ಗುರಿಯಾಗಿರುತ್ತೆ. ಹರಾಜು ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

5. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡತಕ್ಕ ಜನಗಳು ಮುದ್ದು ತಮ್ಮ ಸ್ವಂತಕ್ಕೋಸ್ಕರ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಯಾ ಕಜಂಟು ಯಾ ಮುಖಾಂತರಾಗಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಎಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ತಿಳಿಸಬೇಕೆಂತಲೂ, ಅತರಂಗೋಸ್ಕರ ಮುಖಾಂತರಾಗಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುವ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅಂಥಾ ತಮ್ಮ ಯಜಮಾನರಿಂದ ಸಹ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟ ಲಿಖಿತವಾದ ಅಧಿಕಾರ ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ಹಾಜರಾಡುವಂತೆಯೂ ಕೇಳಲ್ಪಡುವುದು. ಅದನ್ನು ಅವರು ಹಾಜರಾಡದೆ ಹೋದರೆ ಅವರ ಸವಾಲೆಗಳು ತಿರಸ್ಕರಿಸಲ್ಪಡುವುದು.

6. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸ್ವತ್ತು ಯಾರ ಹೆಸರಿಗಿರುವದೂ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುವದಕ್ಕೆ ಮುಂಚಿತವಾಗಿ, ಬಾಕೀದಾರನಿಗೆ ಅತನ ತರಿಸುವ ನಾಗಿ ಪ್ರವತಿ ಸುವ ಯಾ ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಬಾಧ್ಯತೆ ಇರುತ್ತೆಂದು ಹೇಳುವ ಯಾವ ಅತರ ಮುದ್ದುನೇ ಆಗಲೀ ಬಾಕಿಯಲ್ಲಿ ಬಂದಿರುವ ಸ್ವತ್ತು ಕಂದಾಯದ ಹಣವನ್ನೂ, ಡಿ. ಮತ್ತು ಅತರ ಖರ್ಚುಗಳ ಸಮೇತ ಹಾಜರಾಡುವ ಪತ್ರಿಕೆ ಹರಾಜು ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

7. ಹರಾಜು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರಿಂದ ಮುಜಾರಾಡಲ್ಪಡುವ ತನಕ ಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜು ಪೂರ್ತಿಯಾಗುವುದಿಲ್ಲ.

8. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ತೆಗೆದುಕೊಂಡವರು ಹರಾಜು ಮೊಬಲಗನ್ನು ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರಿಂದ ಪರಿಶೀಲಿಸಿ ಹರಾಜು ಮುಜಾರಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಕೊಡೆ. ಹರಾಜುದಾರ ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತಿನ ಸ್ವಾಧೀನವನ್ನು ಹೊಂದುವರು. ಮತ್ತು ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತು ಹರಾಜುದಾರನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ರೆಜಿಸ್ಟರ್ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರಿಂದ ಸ್ವೀಕೃತವಾದ ಮೊಬಲಗು ಬಂದೆ ಹರಾಜು ಸರಟುಕೇಟಿ ಆತನಿಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಡುವುದು. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿವರಣೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಯಾ ವಿಸ್ತರಣೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಇರುವ ಸ್ವಾಧೀನಗಳಿಗೆ ಗವರ್ನ ಮೆಂಟಿನವರು ಜಮಾಬಂದರಿಲ್ಲದೇ ಅಂಶವನ್ನು ಸ್ಪಷ್ಟವಾಗಿ ತಿಳಿದಿರತಕ್ಕದ್ದು.

9. ಹರಾಜಿನಿಂದ ತಮಗೆ ಸವಕಳಿ ಉಂಟಾಯಿತೆಂದು ಎನಿಸುವ ಜನಗಳು ಹರಾಜು ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯತು 30 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕಾದ್ದು ಮತ್ತು ಅವರ ಹುಕುಮಿನಮೇಲೆ ಕಾನೂನಿನಿಂದ ವಿಧಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ವಾಯಿದೆಯಲ್ಲಿ ಗವರ್ನ ಮೆಂಟಿನವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕಾದ್ದು ಸ್ವತಂತ್ರರಾಗಿರುತ್ತಾರೆ. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿಕ್ರಯವು ಅಂಥಾ ಅಪ್ಪೀಲಿನಲ್ಲಿ ಆಗುವ ವೈಸಲೆ ಹುಕುಮಿಗೆ ಖದ್ದವಾಗಿರತಕ್ಕದ್ದು :-

ಸ್ವತ್ತಿನ ತಪ್ಪೀಲ.

| ತಾಲ್ಲೂಕು. | ಜೋಬ್ಬಿ. | ಗ್ರಾಮ. | ಖಾಸುತಾರರ ಹೆಸರು. | ಕಟ್ಟಡಗಳು. | ಜಮೀನು. | | | | ಸರಕಕ್ಕೆ ಬರಬೇಕಾದ ನೋಟಿಸ್ ಫೀ ವಗೈರೆ ಸಹಿತವಾದ ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು. | | | | |
|--------------|---------|-----------|------------------------|--------------|----------------|----------|-------------|-----|--|-----|--------|--------|-----------------------|
| | | | | | ನಂಪರಿ ಆಧಾರ | ಮುಖ್ಯ ಕರ | ಅಧಿಕಾರ ಬಾಕಿ | ಯಾ. | ವಿಸ್ತೀರ್ಣ. | ರೂ. | ಅ. ಪೈ. | ಪ. ಪೈ. | |
| ಕೋಲಾರ ಜಿಲ್ಲೆ | ಜಿಲ್ಲೆ | ನರ್ಸಹಳ್ಳಿ | ನರ್ಸಹಳ್ಳಿ ಬೀ ಮಂಟರಾಮಯ್ಯ | 1. ನರ್ಸಹಳ್ಳಿ | 4. ಮುಖ | 5. 15 | 11 | 0 | 0 | 612 | 8 | 0 | ಸಾಲದ ಮೊಬಲಗು ಫೈನೇಸ್ ಫೀ |
| | | | | | 11. ಡಿಬೋ | 4 | 8 | 8 | 4 | 0 | | | |
| | | | | | 53. ತರ | 2 | 4 | 8 | 0 | 0 | 1 | 0 | |
| | | | | | 41. ಬಾಗಾಯತ | 1 | 4 | 6 | 0 | 0 | | | |
| | | | | | 22. ತರ | 0 | 30 | 4 | 4 | 0 | 613 | 8 | 0 |
| | | | | | 57. ಬಾಗಾಯತ | 0 | 6 | 0 | 12 | 0 | | | |
| | | | | | 65. ಮೈಕಿ ಮುಖ್ಯ | 1 | 11 | 2 | 8 | 0 | | | |
| | | | | | 12. ಡಿಬೋ | 6 | 10 | 12 | 0 | 0 | | | |
| | | | | | 48. ಡಿಬೋ | 0 | 15 | 1 | 8 | 0 | | | |
| | | | | | 21. ಡಿಬೋ | 0 | 14 | 1 | 12 | 0 | | | |
| | | | | | 58. ಬಾಗಾಯತ | 0 | 5 | 0 | 8 | 0 | | | |
| | | | | | 59. ಡಿಬೋ | 0 | 8 | 1 | 0 | 0 | | | |
| | | | | | 27. ಮುಖ್ಯ | 2 | 12 | 36 | 0 | 0 | | | |
| | | | | | 35. ತರ | 2 | 4 | 10 | 0 | 0 | | | |
| | | | | | | 26 | 26 | 103 | 8 | 0 | | | |

* ಇದರ ಬಾಕಿ ಇರುವ ಮೊಟ್ಟಗೆ ಸಂದರ್ಭಾನುಸಾರ ನಮೂದಿಸತಕ್ಕದ್ದು.

ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜ್ ಬಗ್ಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟ ಅಸ್ತಿ ಹಾರ್ ವ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ಪತ್ರಿಕೆ.

1851

ತಾರೀಖು 6ನೆ ಡಿಸೆಂಬರ್ 1904.

1. ಕಂದಾಯದ ಬಾಕಿದಾರರಾದ ಮುದವತ್ತಿ ಗ್ರಾಮದ ರಾಘವಯ್ಯ ಬೀ ತಾತಪ್ಪನಿಂದ ಬರಬೇಕಾದ ಜಮೀನ್ ಕಂದಾಯದ ಬಾಕಿಗಾಗಿ ಇದರಲ್ಲಿ ನಮೂದಾಗುವ ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತು ಕೋಲಾರ ಡಿಸ್ಟ್ರಿಕ್ಟ್ ಕೋಲಾರ ತಾಲ್ಲೂಕು ಮುದವತ್ತಿ ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಸೆ 1905ನೆ ಜನವರಿ 17ನೆ ತಾರೀಖಿನಲ್ಲಿ ಬಹಿರಂಗಪಡಿಸಿದ ಹರಾಜ್ ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆಂದು ಅದರಿಂದ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲ್ಪಟ್ಟು ಇದೆ.

ಹರಾಜ್ ದಿವಿ 12 ಘಂಟೆಗೆ ಉಪಕ್ರಮಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ. ಸ್ವತ್ತು ಏಕದಂ ಚಡದರಬಾಸು ದಾರನ ಹೆಸರಿಗೆ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

2. ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತಿ ಗಾಗಿ ಹರಾಜುದಾರನು 1904ನೆ ಸಾಲಿಗೆ ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ * ವ್ಯವಸಾಯದ ಬ್ಯಾಂಕಿನ ಬಾಬತು ಸಾಲದ ಬಗ್ಗೆ ಸರ್ಕಾರಕ್ಕೆ ಪಾವತಿ ಮಾಡಬೇಕಾದ ಕಂದಾಯದ ಮೊಬಲಗು ಇದರಲ್ಲಿ ಕಾನೂನಿನಂತೆ ತಪ್ಪಿಯಲ್ಲಿ ನಮೂದಿಸಿರುವ ತಪ್ಪೀರ ಮೇರಿಗೆ ರೂಪಾಯಿ 801-0-0 ಆಗಿರುತ್ತೆ.

3. ಹರಾಜ್ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಹರಾಜುದಾರನು ಹರಾಜ್ ಮೊಬಲಗಿನ ಕೆಳಕಡಾ 25 ರೂಪಾಯಿಗಳನ್ನು ಡಿಪಾಜಿಟ್ ಹಾಜರಾಡಬೇಕಾಗಿರುತ್ತೆ. ಅದು ಜತಾ ಹರಾಜ್ ಬಾಬತು ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು ಹರಾಜ್ ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯತು 15 ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಲ್ಪಡಬೇಕೆಂದು ಹೋದಲ್ಲಿ ಮೇಲೆ ಹೇಳಿದ ಡಿಪಾಜಿಟ್ ಮೊಬಲಗನ್ನು ಹಾಜರಾಡಿದವನು ಕಳೆದುಕೊಳ್ಳಲು ಗುರಿಯಾಗುತ್ತಾನೆ.

4. ಅಂಥಾ ಡಿಪಾಜಿಟ್ ಮೊಬಲಗು ಹಾಜರಾಡಲ್ಪಡದೆ ಯಾ ಹರಾಜ್ ಬಾಬತು ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು ಪಾವತಿ ಮಾಡಲ್ಪಡಬೇಕೆಂದು ಹೋದಾಗ್ಯೂ ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತು ಮೊದಲು ಹರಾಜುದಾರನ ಖರ್ಚಿನಿಂದಲೂ ಮತ್ತು ಅವನಿಗೆ ಅದರಿಂದ ಉಂಟಾಗಬಹುದಾದ ನಷ್ಟಕ್ಕೆ ಗುರಿಪಡಿಸಲೂ ಪುನಃ ಹರಾಜ್ ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

5. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡತಕ್ಕ ಜನಗಳು ಖುದ್ದು ತಮ್ಮ ಸ್ವಂತಕ್ಕೋಸ್ಕರ ಸವಾಲೆ ಮಾಡತಾ ರೆಯೆ ಯಾ ಬಿಜಂ ಟು ಯಾ ಮುಂತಾದೀಕರಾಗಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡತಾ ರೆಯೆ ಎಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ತಿಳಿಸಬೇಕೆಂತಲೂ, ಅತರಂಗೋಸ್ಕರ ಮುಂತಾದೀಕರಾಗಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುವ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅಂಥಾ ತಮ್ಮ ಯಜಮಾನರಿಂದ ಸಹಿ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟ ಲಿಖಿತವಾದ ಅಧಿಕಾರ ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ಹಾಜರಾಡುವಂತೆಯೂ ಕೇಳಲ್ಪಡಬಹುದು. ಅದನ್ನು ಅವರು ಹಾಜರಾಡದೆ ಹೋದಲ್ಲಿ ಅವರ ಸವಾಲುಗಳು ತಿರಸ್ಕರಿಸಲ್ಪಡಬಹುದು.

6. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸ್ವತ್ತು ಯಾರ ಹೆಸರಿಗಾದರೂ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುವದಕ್ಕೆ ಮುಂಚಿತವಾಗಿ, ಬಾಕಿದಾರನಾಗಲಿ ಅತನ ತರಫಿ ನವನಾಗಿ ಪ್ರವರ್ತಿಸುವ ಯಾ ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಬಾಧ್ಯತೆ ಇರುತ್ತೆಂದು ಹೇಳುವ ಯಾವ ಇತರ ಮನುಷ್ಯನೇ ಆಗಲೀ ಬಾಕಿಯಲ್ಲಿ ಬಂದಿರುವ ಪೂರಾ ಕಂದಾಯದ ಇಣವನ್ನೂ, ಬಡ್ತಿ ಮತ್ತು ಇತರ ಖರ್ಚುಗಳ ಸಮೇತ ಹಾಜರಾಡುವ ವಜ್ಜೆಕ್ಕೆ ಹರಾಜ್ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

7. ಹರಾಜ್ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಮಂಜೂರಾಡಲ್ಪಡುವ ತನಕ ಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜ್ ಪೂರ್ತಿಯಾಗುವದಿಲ್ಲ.

8. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ತೆಗೆದುಕೊಂಡವರು ಹರಾಜ್ ಮೊಬಲಗನ್ನು ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಿದಮೇಲೆ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಹರಾಜ್ ಮಂಜೂರಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಕೂಡೆ, ಹರಾಜುದಾರ ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತಿನ ಸ್ವಾಧೀನವನ್ನು ಹೊಂದುವರು. ಮತ್ತು ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತು ಹರಾಜುದಾರ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ರಿಜಿಸ್ಟರಿ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಸ್ವೀಕೃತವಾಗಿ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟ ಬಂಸು ಹರಾಜ್ ಸರ್ಟಿಫಿಕೇಟ್ ಆತನಿಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಡುವದು. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿವರಣೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಯಾ ಎಂಪ್ಲೋಯೆದಲ್ಲಿಯೂ ಇರುವ ಸ್ಥಳೀಯಗಳಿಗೆ ಗವರ್ನ ಮೆಂಟಿನವರು ಜವಾಬ್ದಾರಲ್ಲವೆಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ಸ್ಪಷ್ಟವಾಗಿ ತಿಳಿದಿರತಕ್ಕದ್ದು.

9. ಹರಾಜಿನಿಂದ ತಪ್ಪಿಗೆ ನಷ್ಟ ಉಂಟಾಯಿತೆಂದು ಎಣಿಸುವ ಜನಗಳು ಹರಾಜ್ ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯತು 30 ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಮತ್ತು ಅವರ ಹುಕುಮಿನ ಮೇಲೆ ಕಾನೂನಿನಿಂದ ವಿಧಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ವಾಯಿದೆಯಲ್ಲಿ ಗವರ್ನ ಮೆಂಟಿನವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಸ್ವತಂತ್ರರಾರುತ್ತಾರೆ. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿಕ್ರಮವು ಅಂಥಾ ಅಪ್ಪೀಲಿನಲ್ಲಿ ಆಗುವ ಫೈನಲ್ ಹುಕುಮಿಗೆ ಬದ್ಧನಾಗಿರುತ್ತೆ.

| ಕೋಲಾರ ವಕ್ರಲೆರಿ ಮುದವತ್ತಿ ರಾಘವಯ್ಯ ಬೀ ತಾತಪ್ಪ | | ತಾಲ್ಲೂಕು ಹೋಬಳಿ ಗ್ರಾಮ. ಬಾಕಿದಾರರ ಹೆಸರು. | | ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿವರ. | | | | | | ಸರ್ಕಾರಕ್ಕೆ ಬರಬೇಕಾದ ಸಾಲಿನ ಪ್ರಕಾರ ಸಹಿತವಾಗಿ ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು. | |
|--|--|--|--|----------------|-------------------|-----------------------|-----------------------------|------------|-------|---|---|
| | | | | ಕಟ್ಟಡಗಳು. | | ಜಮೀನು. | | | | | |
| | | | | ಕಟ್ಟಡದ ಹೆಸರು. | ಅಂದಾಜು ಕಿಮ್ಬತ್ತು. | ಸಂಬಂಧಿ ಅಥವಾ ಅಧೀನದವರು. | ಖುಮ್ಬಿ, ತರೀ ಅಥವಾ ಬಾಗಾಯತ್ತು. | ವಿಸ್ತೀರ್ಣ. | ಅಕಾರ. | | |
| ರೂ. ಆ. ಪೈ. | | | | | | | | | | | |
| | | | | 64 | ಬಾಗಾಯತ್ತು. | 0 | 18 | 3 | 0 | 0 | <div> <div>ರೂ. ಆ. ಪೈ.</div> <div>800 0 0</div> <div>ಸಾಲದ ಮೊಬಲಗು.</div> <div>1 0 0</div> <div>ಪೂರ್ವಸಂಸ್ಥೆ</div> <hr/> <div>801 0 0.</div> </div> |
| | | | | 120 | ಖುಮ್ಬಿ | 1 | 1 | 2 | 4 | 0 | |
| | | | | 138 | ಡಿಬೋ | 4 | 10 | 8 | 12 | 0 | |
| | | | | 45 | ಡಿಬೋ | 3 | 26 | 23 | 0 | 0 | |
| | | | | 64 | ಡಿಬೋ | 2 | 0 | 13 | 0 | 0 | |
| | | | | 109 | ಬಾಗಾಯತ್ತು. | 2 | 19 | 10 | 0 | 0 | |
| | | | | 52 | ಡಿಬೋ | 0 | 19 | 2 | 0 | 0 | |
| | | | | | | 14 | 13 | 62 | 0 | 0 | |

* ಯಾ ಬಾಕಿ ಇರುವ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಸಂದರ್ಭಾನುಸಾರ ನಮೂದಿಸತಕ್ಕದ್ದು.

ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜ್ ಬಗ್ಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟ ಇಸ್ತಿಹಾರ್ ವ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ಪತ್ರಿಕೆ.

ತಾ.ರೇ.ಖ. 6ನೆ ಡಿಸೆಂಬರ್ 1904.

1. ಕಂದಾಯದ ಬಾಕೀದಾರರಾದ ಮುದವತಿ ಗ್ರಾಮದ ಕ್ರಿಶ್ಚಿಯನ್ ಬರ್ಗ್ ವೆಂಕಟರಮಣಯ್ಯನಿಂದ ಬರಬೇಕಾದ ಜಮೀನ್ ಕಂದಾಯದ ಬಾಕೀಗಾಗಿ ಇದರಡಿ ನಮೂದಾಗುವ ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತು ಕೋಲಾರ ಡಿಸ್ಟ್ರಿಕ್ಟ್ ಕೋಲಾರ ತಾಲ್ಲೂಕು ಮುದವತಿ ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಸರ್ 1905ನ ಇಸವಿ ಜನವರಿ 17ನೆ ತಾ.ರೇ.ಖ.ನಲ್ಲಿ ಬಹಿರಂಗವಾದ ಹರಾಜ್ ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆಂದು ಇದರಿಂದ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ಪಡಿಸಲ್ಪಟ್ಟು ಇದೆ.

ಹರಾಜ್ ದಿವಿ 12 ಘಂಟೆಗೆ ಉಪಕ್ರಮಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ. ಸ್ವತ್ತು ಏಕದಂ ಚಡದರವಾನ್ಮುದಾರನ ಹೆಸರಿಗೆ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

2. ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿ ಗಾಗಿ ಹರಾಜಾದಾರನು 1904ನೆ ಸಾಲೆ ವರೆಗೆ ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ ವ್ಯವಸಾಯದ ಬಾಕಿಯನ್ನು ಸಾಲದ ಬಗ್ಗೆ ಸರ್ಕಾರಕ್ಕೆ ಪಾವತಿ ಮಾಡಬೇಕಾದ ಕಂದಾಯದ ಮೊಬಲಗು ಇದರಡಿ ಅಣಿಸಿರುವ ತಹಶೀಲ್ದಾರನ ನಮೂದಿಸಿರುವ ತಪ್ಪೀಲ ಮೇರೆಗೆ ರೂಪಾಯಿ 901--0-0 ಆಗಿರುತ್ತೆ.

3. ಹರಾಜ್ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಹರಾಜ್ ದಾರನು ಹರಾಜ್ ಮೊಬಲಗಿನ ಶೇಕಡಾ 25 ರೂಪಾಯಿಗಳನ್ನು ಡಿಪಾಜಿಟ್ ಮಾಡಬೇಕಾದ ಕಾರಣಿರುತ್ತೆ. ಆದರೆ ಜಾತಾ ಹರಾಜ್ ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು ಹರಾಜ್ ತಾ.ರೇ.ಖ. ಲಾಗಾಯಿತು 15 ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಲ್ಪಡದೇ ಹೋದಲ್ಲಿ ಮೇಲೆ ಹೇಳಿದ ಡಿಪಾಜಿಟ್ ಮೊಬಲಗನ್ನು ಹಾಜರಾಡಿದವನು ಕಳೆದುಕೊಳ್ಳಲು ಗುರಿಯಾಗುತ್ತಾನೆ.

4. ಅಂಥಾ ಡಿಪಾಜಿಟ್ ಮೊಬಲಗು ಹಾಜರಾಡಲ್ಪಡದೆ ಯಾ ಹರಾಜ್ ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು ಪಾವತಿ ಮಾಡಲ್ಪಡದೇ ಹೋದಾಗ ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತು ಮುದಲ ಹರಾಜ್ ದಾರನ ಖರ್ಚಿನಿಂದಲೂ ಮತ್ತು ಅವನಿಗೆ ಅದರಿಂದ ಉಂಟಾಗಬಹುದಾದ ನಷ್ಟಕ್ಕೆ ಗುರಿಪಡಿಸಿಯೂ ಪುನಹ ಹರಾಜ್ ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

5. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸವಾಲ್ ಮಾಡತಕ್ಕ ಜನಗಳು ಬುದ್ಧಿ ತಮ್ಮ ಸ್ವಂತಕ್ಕೆ ಸ್ವರ ಸವಾಲ್ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಯಾ ಏಕದಂ ಯಾ ಮುಂತಾದೀತರಾಗಿ ಸವಾಲ್ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಎಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ತಿಳಿಸಬೇಕೆಂದೂ, ಇದರಲ್ಲಿ ಸ್ವರ ಮುಂತಾದೀತರಾಗಿ ಸವಾಲ್ ಮಾಡುವ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅಂಥಾ ತಮ್ಮ ಯಜಮಾನರಿಂದ ಸಹಿ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟ ಲಿಖಿತವಾದ ಅಧಿಕಾರ ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ಹಾಜರಾಡಬೇಕೆಂದೂ ಕೇಳಲ್ಪಡಬಹುದು. ಆದನ್ನು ಅವರು ಹಾಜರಾಡದೆ ಹೋದಲ್ಲಿ ಅವರ ಸವಾಲ್ ಗಳು ತಿರಸ್ಕರಿಸಲ್ಪಡಬಹುದು.

6. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸ್ವತ್ತು ಯಾರ ಹೆಸರಿಗಾದರೂ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುವದಕ್ಕೆ ಮುಂಚಿತವಾಗಿ, ಬಾ.ರೇ.ಖ.ನಲ್ಲಿ ಅದರ ಕರಪುನವನಾಗಿ ದೃವಪಡಿಸುವ ಯಾ ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಬಾಧ್ಯತೆ ಇರುತ್ತೆಂದು ಕೇಳುವ ಯಾವ ಇತರ ಮನುಷ್ಯನೇ ಆಗಲಿ ಬಾ.ರೇ.ಖ.ನಲ್ಲಿ ಬಂದಿರುವ ಸ್ವರಾ ಕುದುಮದ ಬಣವನ್ನು ಬಿಡಿಸಿ ಮತ್ತು ಇತರ ಖರ್ಚುಗಳ ಸಮೇತ ಹಾಜರಾಡುವ ಪಕ್ಷಕ್ಕೆ ಹರಾಜ್ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

7. ಹರಾಜ್ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಮಂಜೂರಾಡಲ್ಪಡುವ ತನಕ ಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜ್ ಪೂರ್ತಿಯಾಗುವದಿಲ್ಲ.

8. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ತೆಗೆದುಕೊಂಡವರು ಹರಾಜ್ ಮೊಬಲಗನ್ನು ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರ ವತಿಯಿಂದ ಹರಾಜ್ ಮಂಜೂರಾಡಲ್ಪಟ್ಟ ಕೂಡೆ, ಹರಾಜಾದಾರರು ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿನ ಸ್ವಾಧೀನವನ್ನು ಹೊಂದುವರು. ಮತ್ತು ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತು ಹರಾಜಾದಾರನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ರಿಲೈಸ್ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಸ್ವೀಕರಿಸಿದ ಮೊಬಲಗು ಬಂದು ಹರಾಜ್ ಸರಬರಾಜಿಗೆ ಆಗಲೇ ಕೊಡಲ್ಪಡುವದು. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿವರಣೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಯಾ ವಿಸ್ತೀರ್ಣದಲ್ಲಿಯೂ ಇರುವ ಸ್ಥಳೀಯಗಳಿಗೆ ಗವರ್ನ ಮೆಂಟನವರು ಜಮಾಬಂದಾರರಲ್ಲಿಯೇ ಅಂಶವನ್ನು ಸ್ಪಷ್ಟವಾಗಿ ತಿಳಿದಿರತಕ್ಕದ್ದು.

9. ಹರಾಜಿನಿಂದ ಮೊಗ ನಷ್ಟ ಉಂಟಾಯಿತೆಂದು ಎಣಿಸುವ ಜನಗಳು ಹರಾಜ್ ತಾ.ರೇ.ಖ. ಲಾಗಾಯಿತು 30 ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಮತ್ತು ಅವರ ಹುಕುಮಿನ ಮೇಲೆ ಕಾನೂನಿನಿಂದ ವಿಧಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ವಾಯಿದೆಯಲ್ಲಿ ಗವರ್ನ ಮೆಂಟನವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಸ್ವಂತತರಾಗಿರುತ್ತಾರೆ. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿಷಯವು ಅಂಥಾ ಅಪ್ಪೀಲಿನಲ್ಲಿ ಆಗುವ ಫೈನಲ್ ಹುಕುಮಿಗೆ ಬದ್ಧವಾಗಿರತಕ್ಕದ್ದು:—

| ಕಟ್ಟಡಗಳು. | | ಜಮೀನು. | | ಸರ್ಕಾರಕ್ಕೆ ಬರಬೇಕಾದ ಸಾಲಿನ ಮೊಬಲಗು. | |
|-----------|-------------------|----------|-------------------|----------------------------------|-------------------|
| ಕ್ರ. ಸಂ. | ಹರಾಜ್ ದಾರನ ಹೆಸರು. | ಕ್ರ. ಸಂ. | ಹರಾಜ್ ದಾರನ ಹೆಸರು. | ಕ್ರ. ಸಂ. | ಹರಾಜ್ ದಾರನ ಹೆಸರು. |
| 172 | ತರಿ | 0 | 25 | 2 | 12 |
| 134 | ಖುಷ್ಕಿ | 1 | 9 | 2 | 8 |
| 7 | ಡಿಬೋ | 0 | 14 | 1 | 8 |
| 102 | ಬಾಗಾಯತು | 0 | 13 | 2 | 0 |
| 111 | ಡಿಬೋ | 0 | 14 | 1 | 4 |
| 60 | ತರಿ ಬಾಗಾ | 1 | 7 | 7 | 0 |
| 154 | ಖುಷ್ಕಿ | 2 | 25 | 5 | 8 |
| 170 | ಬಾಗಾಯತು | 0 | 38 | 6 | 0 |
| 123 | ಖುಷ್ಕಿ | 2 | 15 | 5 | 0 |
| 202 | ತರಿ | 1 | 8 | 7 | 0 |
| 50 | ಡಿಬೋ | 1 | 14 | 8 | 8 |
| 137 | ಖುಷ್ಕಿ | 6 | 34 | 15 | 0 |
| 171 | ಬಾಗಾಯತು | 0 | 10 | 1 | 8 |
| | | 19 | 26 | 65 | 8 |

* ಯಾ ಬಾಕಿ ಕರುವ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಸಂದರ್ಭಾನುಸಾರ ನಮೂದಿಸತಕ್ಕದ್ದು.

ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜ್ ಬಗ್ಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟ ಇನ್ನಿ ಹಾರ್ ವ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ಪತ್ರಿಕೆ.

1853

ತಾರೀಖು 6ನೇ ಡಿಸೆಂಬರ್ 1904.

1. ಕಂದಾಯದ ಬಾಕೀದಾರರಾದ ಮುದವತ್ತಿ ಗ್ರಾಮದ ವೆಂಕಟಪ್ಪ ಬಿಳಿ ಕೃಷ್ಣ ಪ್ಪನಿಂದ ಬರಬೇಕಾದ ಜರ್ನಿ ಕಂದಾಯದ ಬಾಕೀಗಾಗಿ ಇದರಡಿ ನಮೂದಾಗುವ ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತು ಕೋಲಾರ ಡಿಸ್ಟ್ರಿಕ್ಟ್ ಕೋಲಾರ ತಾಲ್ಲೂಕು ಮುದವತ್ತಿ ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಸ 1905ನೇ ಇಸವಿ ಜನವರಿ 17ನೇ ತಾರೀಖಿನಲ್ಲಿ ಒಹರಂಗವಾದ ಹರಾಜ್ ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತದೆಂದು ಇದರಿಂದ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲ್ಪಟ್ಟು ಇದೆ. ಹರಾಜ್ ಡಿವಿ 12 ಘಂಟೆಗೆ ಉಪಕ್ರಮಿಸಲ್ಪಡುತ್ತದೆ. ಸ್ವತ್ತು ಏಕದಂ ಚಡದಂ ಬಾಸ್ತು ದಾರನ ಹೆಸರಿಗೆ ನಿಶ್ಚಯಿಸಲ್ಪಡುತ್ತದೆ.
2. ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತಿ ಗಾಗಿ ಹರಾಜುದಾರನು 1904ನೇ ಸಾಲಿಗೆ ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ * ವ್ಯವಸಾಯದ ಬಾಕಿ ಬಾಬತು ಸಾಲದ ಮೊಬಲಗು ಸರಾ ರಕ್ಕೆ ಪಾವತಿ ಮಾಡಬೇಕಾದ ಕಂದಾಯದ ಮೊಬಲಗು ಇದರಡಿ ಕಾಣಿಸಿರುವ ತಪ್ಪಿಯಲ್ಲಿ ನಮೂದಿಸಿರುವ ತಪಸ್ವಿ ಮೇರಿಗೆ 601-0-0 ರೂಪಾಯಿ ಆಗಿರುತ್ತದೆ.
3. ಹರಾಜ್ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಹರಾಜುದಾರನು ಹರಾಜ್ ಮೊಬಲಗಿನ ಕೀಕಡಾ 25 ರೂಪಾಯಿಗಳನ್ನು ಡಿರಾಜಿಟ್ಟು ಹಾಜರಾದ ಬೇಕಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಅದು ಜಾತಾ ಹರಾಜ್ ಬಾಬತು ಬಾಕೀ ಮೊಬಲಗು ಹರಾಜ್ ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯಿತು 15 ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಪಾವತೀ ಮಾಡಲ್ಪಡದೇ ಹೋದಲ್ಲಿ ಮೇಲೆ ಹೇಳಿದ ಡಿರಾಜಿಟ್ಟು ಮೊಬಲಗನ್ನು ಹಾಜರಾದ ದಿವಸವನ್ನು ಕಳೆದುಕೊಳ್ಳಲು ಗುರಿಯಾಗುತ್ತಾನೆ.
4. ಅಂಥಾ ಡಿರಾಜಿಟ್ಟು ಮೊಬಲಗು ಹಾಜರಾದಲ್ಲಿಯೇ ಯಾ ಹರಾಜ್ ಬಾಬತು ಬಾಕೀ ಮೊಬಲಗು ಪಾವತಿ ಮಾಡಲ್ಪಡದೇ ಹೋದಾಗ್ಯೂ ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತು ಮೊಬಲಗು ಹರಾಜುದಾರನ ಖರ್ಚಿನಿಂದಲೂ ಮತ್ತು ಅವನಿಗೆ ಅದರಿಂದ ಉಂಟಾಗಬಹುದಾದ ನಷ್ಟಕ್ಕೆ ಗುರಿಪಡಿಸಿಯೂ ಪುನಃ ಹರಾಜ್ ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತದೆ.
5. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸವಾಲ್ ಮಾಡತಕ್ಕ ಜನಗಳು ಖುದ್ದಿ ತಮ್ಮ ಸ್ವಂತಕ್ಕೋಸ್ಕರ ಸವಾಲ್ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಯಾ ಏಜಂಟು ಯಾ ಮುತಾಲೀಕರಾಗಿ ಸವಾಲ್ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಎಂಬ ಆಶಂಕೆಯನ್ನು ತಿಳಿಸಬೇಕೆಂತಲೂ, ಇತರರಿಗೋಸ್ಕರ ಮುತಾಲೀಕರಾಗಿ ಸವಾಲ್ ಮಾಡುವ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅಂಥಾ ತಮ್ಮ ಯಜಮಾನರಿಂದ ಸಹಿ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟ ಲಿಖಿತವಾದ ಅಧಿಕಾರ ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ಹಾಜರಾದುದಂತೆಯೂ ಕೇಳಲ್ಪಡಬಹುದು, ಅದನ್ನು ಅವರು ಹಾಜರಾದ ಹೋದಲ್ಲಿ ಅವರ ಸವಾಲುಗಳು ತಿರಸ್ಕರಿಸಲ್ಪಡಬಹುದು.
6. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸ್ವತ್ತು ಯಾರ ಹೆಸರಿಗಾದರೂ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುವದಕ್ಕೆ ಮುಂಚಿತವಾಗಿ, ಬಾಕೀದಾರನಾಗಲೀ ಆತನ ತರಫಿನವನಾಗಲೀ ಪ್ರವರ್ತಿಸುವ ಯಾ ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಬಾಧ್ಯತೆ ಇರುತ್ತದೆಂದು ಹೇಳುವ ಯಾವ ಇತರ ಮನುಷ್ಯನೇ ಆಗಲೀ ಬಾಕಿಯಲ್ಲಿ ಬಂದಿರುವ ಪೂರಾ ಕಂದಾಯದ ಹಣವನ್ನೂ ಬಡ್ತಿ ಮತ್ತು ಇತರ ಖರ್ಚುಗಳ ಸಮೇತ ಹಾಜರಾದ ವಕ್ಷಕ್ಕೆ ಹರಾಜ್ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತದೆ.
7. ಹರಾಜ್ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಮಂಜೂರಾದಲ್ಲಿಯೂ ತನಕ ಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜ್ ಪೂರ್ತಿಯಾಗುವದಿಲ್ಲ.
8. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ತೆಗೆದುಕೊಂಡವರು ಹರಾಜ್ ಮೊಬಲಗನ್ನು ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಿದಮೇಲೆ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಹರಾಜ್ ಮಂಜೂರಾದಲ್ಲಿಯೂ ಕೂಡ, ಹರಾಜುದಾರನು ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತಿನ ಸ್ವಾಧೀನವನ್ನು ಹೊಂದುವರು. ಮತ್ತು ಸದರಿ ಸ್ವತ್ತು ಹರಾಜುದಾರನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ರಿಜಿಸ್ಟರ್ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಸ್ವೀಕೃತ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಬಂದು ಹರಾಜ್ ಸಂಪುಟಕ್ಕೆ ಟೆ ಆತನಿಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಡುವದು. ಸ್ವತ್ತಿನ ಎವರಡೆಮಲ್ಲಿಯೂ ಯಾ ವಿಸ್ತೀರ್ಣದಲ್ಲಿಯೂ ಇರುವ ಸ್ಥಳೀಯಗಳಿಗೆ ಗವರ್ನ ಮೆಂಟಿನವರು ಜವಾಬ್ದಾರಿಯಲ್ಲಿರುವ ಆಂಶವನ್ನು ಸ್ವಪ್ಪವಾಗಿ ತಿಳಿದಿರತಕ್ಕದ್ದು.
9. ಹರಾಜಿನಿಂದ ತಪ್ಪಿಗೆ ನಷ್ಟ ಉಂಟಾಯಿತೆಂದು ಎಣಿಸುವ ಜನಗಳು ಹರಾಜ್ ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯಿತು 30 ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಮತ್ತು ಅವರ ಹುಕುಮಿನ ಮೇಲೆ ಕಾನೂನಿನಿಂದ ವಿಧಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ನಾಯಿದೆಯಲ್ಲಿ ಗವರ್ನ ಮೆಂಟಿನವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಸ್ವತಂತ್ರರಾಗಿರುತ್ತಾರೆ. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿಕ್ರಯವು ಅಂಥಾ ಅಪ್ಪೀಲಿನಲ್ಲಿ ಆಗುವ ಫೈಸಲ್ ಹುಕುಮಿಗೆ ಬದ್ಧವಾಗಿರತಕ್ಕದ್ದು.

| ತಾಲ್ಲೂಕು. | | | ಹೋಬ್ಬಳಿ. | | | ಗ್ರಾಮ. | | | ಬಾಕೀದಾರರ ಹೆಸರು. | | | ಸ್ವತ್ತಿನ ತಪಸ್ವಿ. | | | | | | ಸರಕಾರಕ್ಕೆ ಬರಬೇಕಾದ ನೋಟಿಸ್ ಫೀ ವಗೈರೆ ಸಹಿತವಾದ ಬಾಕೀ ಮೊಬಲಗು. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-----------|--|--|----------|--|--|--------|--|--|-----------------|--|--|------------------|--|--|------------------|--|--|--|--|--|---------------------------|--|--|------------|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | | | | | | | ಕಟ್ಟಡಗಳು. | | | ಜಮೀನು. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | ಕಟ್ಟಡದ ಹೆಸರು. | | | ಅಂದಾಜು ಕಿಮೀ. ತು. | | | ಸಂಖ್ಯೆ ಅಥವಾ ಜಮೀನಿನ ಹೆಸರು. | | | ಖುಷ್ಕಿ, ತರೀ ಅಥವಾ ಬಾಗಾಯತು. | | | ವಿಸ್ತೀರ್ಣ. | | | ಬಾಗ. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

* ಯಾ ಬಾಕಿ ಇರುವವುಗಳಿಗೆ ಸಂದರ್ಭಾನುಸಾರ ನಮೂದಿಸತಕ್ಕದ್ದು.

ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜ್ ಬಗ್ಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟ ಇಸ್ತಿಹಾರ್ ವ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪತ್ರಿಕೆ.

ತಾರೀಖು 6ನೇ ಡಿಸೆಂಬರ್ 1904.

1. ಕಂದಾಯದ ಬಾಕೀದಾರನಾದ ಮುದವತ್ತಿ ಗ್ರಾಮದ ಚೆನ್ನಪ್ಪಚೆಟ್ಟಿಯಿಂದ ಬರಬೇಕಾದ ಜಮೀನ್ ಕಂದಾಯದ ಬಾಕೀಗಾಗಿ ಇದರಡಿ ನಮೂದಾಗುವ ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತು ಕೋಲಾರ ಡಿಪ್ಯುಟಿ ಕೋಲಾರ ತಾಲ್ಲೂಕು ಮುದವತ್ತಿ ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಸಂ 1905ನೇ ಇಸವಿ ಜನವರಿ 17ನೇ ತಾರೀಖಿನಲ್ಲಿ ಬಹಿರಂಗವಾದ ಹರಾಜು ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆಂದು ಇದರಿಂದ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲ್ಪಟ್ಟು ಇದೆ.

ಹರಾಜು ಆ ದಿನವ ದಿವಿ 12 ಘಂಟೆಗೆ ಉಪಕ್ರಮಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ. ಸ್ವತ್ತು ಏಕದಂ ಚಡದರಬಾಸ್ತುದಾರನ ಹೆಸರಿಗೆ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

2. ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿಗಾಗಿ ಹರಾಜುದಾರನು 1904ನೇ ಸಾಲಿಗೆ ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ * ವ್ಯವಸಾಯದ ಬಾಕಿಯ ಬಾಬತು ಸಾಲದ ಮೊಬಲಗು ಸರ್ಕಾರಕ್ಕೆ ಪಾವತಿ ಮಾಡಬೇಕಾದ ಕಂದಾಯದ ಮೊಬಲಗು ಇದರಡಿ ಕಾಣಿಸಿರುವ ತಖ್ತೆಯಲ್ಲಿ ನಮೂದಿಸಿರುವ ತಪ್ಪೀರ ಮೇರಿಗೆ 701 ರೂಪಾಯಿ ಆಗಿರುತ್ತೆ.

3. ಹರಾಜು ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಹರಾಜುದಾರನು ಹರಾಜ್ ಮೊಬಲಗಿನ ಶೇಕಡಾ 25 ರೂಪಾಯಿಗಳನ್ನು ಡಿಪಾಜಿಟ್ಟು ಹಾಜರಾದ ಬೇಕಾಗಿರುತ್ತೆ. ಅದು ಜಂತಾ ಹರಾಜು ಬಾಬತು ಬಾಕೀ ಮೊಬಲಗು ಹರಾಜ್ ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯತು 15 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಪಾವತೀ ಮಾಡಲ್ಪಡದೇ ಹೋದಲ್ಲಿ ಮೇಲೆ ಹೇಳಿದ ಡಿಪಾಜಿಟ್ಟು ಮೊಬಲಗನ್ನು ಹಾಜರಾದುದಿನವನು ಕಳೆದುಕೊಳ್ಳಲು ಗುರಿಯಾಗುತ್ತಾನೆ.

4. ಅಂಥಾ ಡಿಪಾಜಿಟ್ಟು ಮೊಬಲಗು ಹಾಜರಾದಲ್ಲದ್ದರಿಂದ ಯಾ ಹರಾಜು ಬಾಬತು ಬಾಕೀ ಮೊಬಲಗು ಪಾವತಿ ಮಾಡಲ್ಪಡದೇ ಹೋದಾಗ್ಯೂ ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತು ಮೊದಲು ಹರಾಜುದಾರನ ಖರ್ಚಿನಿಂದಲೂ ಮತ್ತು ಅವನಿಗೆ ಅದರಿಂದ ಉಂಟಾಗಬಹುದಾದ ನಷ್ಟಕ್ಕೆ ಗುರಿಪಡಿಸಿಯೂ ಪುನಃ ಹರಾಜು ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

5. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡತಕ್ಕ ಜನಗಳು ಋತ್ನ ತಮ್ಮ ಸ್ವಂತಕ್ಕೋಸ್ಕರ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಯಾ ಏಜಂಟು ಯಾ ಮುತಾಲೀಕರಾಗಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಎಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ತಿಳಿಸಬೇಕೆಂತಲೂ, ಇತರರಿಗೋಸ್ಕರ ಮುತಾಲೀಕರಾಗಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುವ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅಂಥಾ ತಮ್ಮ ಎಜಮಾನರಿಂದ ಸಹಿ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟ ಲಿಖಿತವಾದ ಅಧಿಕಾರ ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ಹಾಜರಿ ಮಾಡುವಂತೆಯೂ ಕೇಳಲ್ಪಡಬಹುದು. ಅದನ್ನು ಅವರು ಹಾಜರಾದ ಹೋದಲ್ಲಿ ಅವರ ಸವಾಲುಗಳು ತಿರಸ್ಕರಿಸಲ್ಪಡಬಹುದು.

6. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸ್ವತ್ತು ಯಾರ ಹೆಸರಿಗಾದರೂ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುವದಕ್ಕೆ ಮುಂಚಿತವಾಗಿ, ಬಾಕೀದಾರನಾಗಲೀ ಅತನ ತರಫಿನವನಾಗಲೀ ಪ್ರವರ್ತಿಸುವ ಯಾ ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಬಾಧ್ಯತೆ ಇರುತ್ತೆಂದು ಹೇಳುವ ಯಾವ ಇತರ ಮನುಷ್ಯನೇ ಅಗಲೀ ಬಾಕಿಯಲ್ಲಿ ಬಂದಿರುವ ಪೂರಾ ಕಂದಾಯದ ಹಣವನ್ನೂ, ಬಡ್ತಿ ಮತ್ತು ಇತರ ಖರ್ಚುಗಳ ಸಮೇತ ಹಾಜರಾದುವ ಪಕ್ಷಕ್ಕೆ ಹರಾಜು ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

7. ಹರಾಜು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಮಂಜೂರಾದಲ್ಲದ್ದರಿಂದ ತನಕ ಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜು ಪೂರ್ತಿಯಾಗುವದಿಲ್ಲ.

8. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ತೆಗೆದುಕೊಂಡವರು ಹರಾಜ್ ಮೊಬಲಗನ್ನು ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಹರಾಜು ಮಂಜೂರಾದಲ್ಲದ್ದರಿಂದ, ಹರಾಜುದಾರ, ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತಿನ ಸ್ವಾಧೀನವನ್ನು ಹೊಂದುವರು. ಮತ್ತು ಸದರೇ ಸ್ವತ್ತು ಹರಾಜುದಾರನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ರಿಜಿಸ್ಟರ್ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಸ್ಕೃತ್ ಮೊಹರಿ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಬಂದು ಹರಾಜ್ ಸರಟುಪಿಕೇಟ್ ಅತನಿಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಡುವದು. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿವರಣೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಯಾ ವಿಸ್ತೀರ್ಣದಲ್ಲಿಯೂ ಇರುವ ಸ್ಥಳೀಯಗಳಿಗೆ ಗವರ್ನಮೆಂಟಿನವರು ಜವಾಬ್ದಾರಿಲ್ಲವೆಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ಸ್ಪಷ್ಟವಾಗಿ ತಿಳಿದಿರತಕ್ಕದ್ದು.

9. ಹರಾಜಿನಿಂದ ಹೆಚ್ಚು ನಷ್ಟ ಉಂಟಾಯಿತೆಂದು ಎಣಿಸುವ ಜನಗಳು ಹರಾಜ್ ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯತು 30 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಗೆ ಆಪ್ಪೀಲ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಮತ್ತು ಅವರ ಹುಕುಮಿನ ಮೇಲೆ ಕಾನೂನಿನಿಂದ ವಿಧಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ವಾಯಿದೆಯಲ್ಲಿ ಗವರ್ನಮೆಂಟಿನವರಿಗೆ ಆಪ್ಪೀಲ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಸ್ವತಂತ್ರವಾಗಿರುತ್ತಾರೆ. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿಕ್ರಯಾಪ್ತಿ ಅಂಥ ಆಪ್ಪೀಲಿನಲ್ಲಿ ಆಗುವ ಫೈನಲ್ ಹುಕುಮಿಗೆ ಬದ್ಧವಾಗಿರತಕ್ಕದ್ದು :—

| ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ | | ಕೋಲಾರ</ | |
|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|---------|--|
|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|---------|--|

* ಯಾ ಬಾಕೀ ಇರುವ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಸಂದರ್ಭಾನುಸಾರ ನಮೂದಿಸತಕ್ಕದ್ದು.

ಕೆ. ಏ. ಪುಟ್ಟಣ್ಣ ಚೆಟ್ಟಿ,
ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರ.

ಶಿವಮೊಗ್ಗ ಡಿಸ್ಟ್ರಿಕ್ಟ್
ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜ್ ಬಗ್ಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟ ಇಸ್ತಿಹಾರ್ ವ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪತ್ರಿಕೆ.

1855

ತಾರೀಖು 22ನೆ ನವೆಂಬರ್ 1904.

ತೀರ್ಥಹಳ್ಳಿ ತಾಲ್ಲೂಕು ಜೋಡಿ ಹೆಗಲತ್ತಿ ಗ್ರಾಮದ ಹಿನ್ನೆದಾರ ಲಕ್ಷ್ಮಿಪ್ಪನವರಿಂದ ಕ್ರಯಕ್ಕೆ ಪಡೆದ ಬಾಟು ಗೋಪಾಲರಾವ್ ಮತ್ತು ಹರಿಹರದ ಕ್ರಿಷ್ಣರಾವ್ ಈ 2 ಜನರೂ ತಮ್ಮಗಳ ಹಿನ್ನೆ ಬಾಬತು ಕಂದಾಯ ಅಂದರೆ ಗೋಪಾಲರಾಯರ ಬಾಬತು ರೂ ಪಾಯಿ 107-2-4 ಕ್ರಿಷ್ಣರಾಯರ ಬಾಬತು 53-9-2 ಜಾಮಾ 160-11-6 ಕೊಡದೆ ಬಾಕಿ ಇಟ್ಟುಕೊಂಡದ್ದರಿಂದ ಬಟ್ಟು ಗ್ರಾಮವನ್ನು ಹರಾಜಿಗೆ ಇಟ್ಟರಲಾಗಿ ಜಂಟಿ ಹಿನ್ನೆದಾರ ಸರಾಫ್ ರಂಗಪ್ಪನವರ ಪಾಲದಾರು ಸರಾಫ್ ಶ್ಯಾಮರಾವ್, ಸು ಬ್ಬರಾಯರು, ದರಮೇಶ್ವರಯ್ಯನವರು ಮೇಲ್ಕಂಡ ಬಾಕಿದಾರ ಹಿನ್ನೆ ಬಾಬತು ಕಂದಾಯವನ್ನು ಪಾವತಿ ಮಾಡಿ ಮೈಸೂರು ಲ್ಯಾಂಡ್ ರೆವಿನ್ಯೂ ಕೋಡ್ 77-78ನೆ ಸೆಕ್ಷರ್ ೮೯ತ್ಯಾ ವರಿಹಾರ ಕೆಳಕೊಂಡಿರುವದರಿಂದ ಸದರಿ ಕಂದಾಯ ಮೊಬಲಗು ಬಗ್ಗಾಗಿ ಇದ ರಡಿ ನಮೂದಾಗುವ ಸ್ಥಿರಸ್ವತ್ತಿನ ಪೈಕಿ ಬಾಕಿದಾರ ಗೋಪಾಲರಾಯರಿಗೆ ಇರುವ 1/4 ನೆ ಹಿನ್ನೆ ಮತ್ತು ಕ್ರಿಷ್ಣರಾಯರಿಗೆ ಇರುವ 1/4 ನೆ ಹಿನ್ನೆಯನ್ನು ಶಿವಮೊಗ್ಗ ಡಿಸ್ಟ್ರಿಕ್ಟ್ ಶಿವಮೊಗ್ಗ ಮೊಕ್ಕಾಂ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರ ಆಫೀಸ್ ಬಳಿ 1905ನೆ ಜನವರಿ 4ರಲ್ಲಿ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಬಹಿರಂಗವಾದ ಹರಾಜು ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆಂದು ಇದರಿಂದ ಪ್ರಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲ್ಪಟ್ಟು ಇದೆ.

ಹರಾಜು ಹಗಲು 11 ಘಂಟೆಗೆ ಉಪಕ್ರಮಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ. ಸ್ವತ್ತು ಏಕದಂ ಚಡದರಬಾಸು ದಾರನ ಹೆಸರಿಗೆ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

2. ಸದರೀ ಸ್ವತ್ತಿ ಗಾಗಿ ಹರಾಜುದಾರನು 1903-04ನೆ ಸಾಲಿಗೆ ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಬೇಕಾದ ಕಂದಾಯದ ಮೊಬಲಗು ಇದರಡಿ ಕಾಣಿಸಿರುವ ತಪ್ಪೆ ಯಲ್ಲಿ ನಮೂದಿಸಿರುವ ತಪ್ಪೆಲೆ ಮೇರಿಗೆ ರೂಪಾಯಿ 160-11-6 ಆಗಿರುತ್ತೆ.

3. ಹರಾಜು ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಹರಾಜುದಾರನು ಹರಾಜು ಮೊಬಲಗಿನ ಶೇಕಡಾ 25 ರೂಪಾಯಿಗಳನ್ನು ಡಿಪಾಜಿಟ್ ಹಾಜರಾಡಬೇಕಾಗಿರುತ್ತೆ. ಅದು ಜಾತಾ ಹರಾಜು ಬಾಬತು ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು ಹರಾಜು ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯತು 15 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಲ್ಪಡ ದೇ ಹೋದಲ್ಲಿ ಮೇಲೆ ಹೇಳಿದ ಡಿಪಾಜಿಟ್ಟು ಮೊಬಲಗನ್ನು ಹಾಜರಾಡಿದವನು ಕಳೆದುಕೊಳ್ಳಲು ಗುರಿಯಾಗುತ್ತಾನೆ.

4. ಅಂಥಾ ಡಿವ. ಟಿಟ್ಟು ಮೊಬಲಗು ಹಾಜರಾಡಲ್ಪಡದೆ ಯಾ ಹರಾಜು ಬಾಬತು ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು ಪಾವತಿ ಮಾಡಲ್ಪಡದೇ ಹೋದಾಗ್ಯೂ ಸದರೀ ಸ್ವತ್ತು ಮೊದಲು ಹರಾಜುದಾರನ ಖರ್ಚಿನಿಂದಲೂ ಮತ್ತು ಅವನಿಗೆ ಅದರಿಂದ ಉಂಟಾಗಬಹುದಾದ ನಷ್ಟಕ್ಕೆ ಗುರಿಪಡಿಸಿಯೂ ಪುನಃ ಹರಾಜು ಮಾಡಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

5. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡತಕ್ಕ ಜನಗಳು ಖುದ್ದು ತಮ್ಮ ಸ್ವಂತಕ್ಕೋಸ್ಕರ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಯಾ ವಿಷಂ ಟು ಯಾ ಮುತಾಲೀಕರಾಗಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆಯೇ ಎಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ತಿಳಿಸಬೇಕೆಂತಲೂ, ಇತರರಿಗೋಸ್ಕರ ಮುತಾಲೀಕರಾಗಿ ಸವಾಲೆ ಮಾಡುವ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅಂಥಾ ತಮ್ಮ ಯಜಮಾನರಿಂದ ಸಹ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟ ಲಿಖಿತವಾದ ಅಧಿಕಾರ ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ಹಾಜ ರಾಡುವಂತೆಯೂ ಕೇಳಲ್ಪಡಬಹುದು. ಅದನ್ನು ಅವರು ಹಾಜರಾಡದೆ ಹೋದಲ್ಲಿ ಅವರ ಸವಾಲುಗಳು ತಿರಸ್ಕರಿಸಲ್ಪಡಬಹುದು.

6. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ಸ್ವತ್ತು ಯಾರ ಹೆಸರಿಗಾದರೂ ನಿಲ್ಲಿಸಲ್ಪಡುವದಕ್ಕೆ ಮುಂಚಿತವಾಗಿ, ಬಾಕೀದಾರನಾಗಲೀ ಆತನ ತರಫಿನವ ನಾಗಿ ಪ್ರವರ್ತಿಸುವ ಯಾ ಸದರೀ ಸ್ವತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಬಾಧ್ಯತೆ ಇರುತ್ತೆಂದು ಹೇಳುವ ಯಾವ ಇತರ ಮನುವ್ಯನೇ ಆಗಲೀ ಬಾಕಿಯಲ್ಲಿ ಬಂದಿರುವ ಪೂರಾ ಕಂದಾಯದ ಹಣವನ್ನೂ, ಬಡ್ಡಿ ಮತ್ತು ಇತರ ಖರ್ಚುಗಳ ಸಮೇತ ಹಾಜರಾಡುವ ಪಕ್ಷಕ್ಕೆ ಹರಾಜು ನಿಲ್ಲಿ ಸಲ್ಪಡುತ್ತೆ.

7. ಹರಾಜು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಮಂಜೂರಾಡಲ್ಪಡುವ ತನಕ ಸ್ವತ್ತಿನ ಹರಾಜು ಪೂರ್ತಿಯಾಗುವದಿಲ್ಲ.

8. ಹರಾಜಿನಲ್ಲಿ ತೆಗದುಕೊಂಡವರು ಹರಾಜೆ ಮೊಬಲಗನ್ನು ಪೂರ್ತಿಯಾಗಿ ಪಾವತಿ ಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರ ವರಿಂದ ಹರಾಜು ಮಂಜೂರಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಕೊಡೆ, ಹರಾಜುದಾರು ಸದರೀ ಸ್ವತ್ತಿನ ಸ್ವಾಧೀನವನ್ನು ಹೊಂದುವರು. ಮತ್ತು ಸದರೀ ಸ್ವತ್ತು ಹರಾಜುದಾರನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ರಿಜಿಸ್ಟರ್ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಂದ ಸೈಫ್ ಮೊಹರ್ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟು ಬಂದು ಹರಾಜ್ ಸಂಟಿಫಿಕೇಟ್ ಆತನಿಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಡುವದು. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿವರಣೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಯಾ ವಿಸ್ತೀರ್ಣದಲ್ಲಿಯೂ ಇರುವ ಸ್ಥಳ ಲಿತ್ಯಗಳಿಗೆ ಗವ ರ್ಕಮೆಂಟಿನವರು ಜವಾಬುದಾರ್ಪಟ್ಟವೆಂಬ ಅಂಶವನ್ನು ಸ್ಪಷ್ಟವಾಗಿ ತಿಳಿದಿರತಕ್ಕದ್ದು.

9. ಹರಾಜಿನಿಂದ ತಮಿಗಿ ನಷ್ಟ ಉಂಟಾಯಿತೆಂದು ಎಣಿಸುವ ಜನಗಳು ಹರಾಜ್ ತಾರೀಖು ಲಾಗಾಯತು 30 ದಿನಗಳ ಿಲ್ಲಿ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಮತ್ತು ಅವರ ಹುಕುಮಿನ ಮೇಲೆ ಕಾನೂನಿನಿಂದ ವಿಧಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ವಾಯಿದೆಯಲ್ಲಿ ಗವರ್ಕಮೆಂಟಿನವರಿಗೆ ಅಪ್ಪೀಲ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೂ ಸ್ಥಂತರಾಗಿರುತ್ತಾರೆ. ಸ್ವತ್ತಿನ ವಿಕ್ರಯವು ಅಂಥಾ ಅಪ್ಪೀಲಿನಲ್ಲಿ ಆಗುವ ಪೈಸಲೆ ಹುಕುಮಿಗೆ ಬದ್ಧವಾಗಿರತಕ್ಕದ್ದು:—

| ತಾಲ್ಲೂಕು | | ಹೋಬಳಿ | | ಗ್ರಾಮ | | ಬಾಕಿದಾರರ ಹೆಸರು | | ಸ್ವತ್ತಿನ ತಯಾರಿ | | ಸರಕಾರಕ್ಕೆ ಖರೀದಿಕಾರದ ನೋಟುಗಳಿಗೆ ವ್ಯಕ್ತಿರ ಸಹಿತವಾದ ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು | |
|----------|--|-------|--|-------|--|----------------|--|----------------|--|--|--|
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |

ಸರಾಫ್ ಶ್ಯಾಮರಾವ್ ಬಟ್ಟು ಗ್ರಾಮದ ಅಂದಾಜು ಬಾಕಿ ಮೊಬಲಗು.

ರೂ. ಅ. ಪೈ
160 11 6
ಬಟ್ಟು ಗ್ರಾಮದ ಅಂದಾಜು 1,500 ರೂಪಾಯಿ.

* ಯಾ ಬಾಕಿ ಇರುವ ಮುಟ್ಟಿಗೆ ಸಂದರ್ಭಾನುಸಾರ ನಮೂದಿಸತಕ್ಕದ್ದು.
ಎಂ. ಎನ್. ವಾರಾಯಣರಾವ್, ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರ.

| | | | | | | | | | |
|----|----------|----------------|------------|-----------|-------------------|--|-----|-----|-----|
| 20 | ಡಿಟೋ | ರಂಗಪ್ಪ | ಚನ್ನಪ್ಪ | ವೈಣ್ಯ | ಚಿಕ್ಕ ಮಗಳೂರು | ಹಿತ್ತಾಳೆ ಡಬ್ಬಿ 1, ಬೆಳ್ಳಿ ತಾತಿ 1, ನಗದು 0-4-0 | 0 | 0 | 5 |
| 21 | ಡಿಟೋ | ಕಾಡಿಗಾ | ಚಿಕ್ಕ | ಮಾಡಿಗ | ಚಿಕ್ಕ ಕುರುಬರಹಳ್ಳಿ | ಕಿವಿಗ ಹಾಕುವ ಹಿತ್ತಾಳೆ ಉಂಗುರಿ ಜೊತೆ 2 | 0 | 2 | 9 |
| 22 | ಡಿಟೋ | ದರ್ಶಿಬಾಳ | ಬಿರಾಂಬಾಳ | ಮುಸಲಮಾಣ | ಬೇವರಹಳ್ಳಿ | ನಗದು 0-1-9 ಬೆಳ್ಳಿ ಉಂಗುರಿ 0-1 0 | 0 | 0 | 6 |
| 23 | ಡಿಟೋ | ಬಾಸಿಂಸಾಬಿ | ಮಲೀಕಸಾಬಿ | ಡಿಟೋ | ಅಲೂರು | ಹಿತ್ತಾಳೆ ಉಂಗುರಿ 4, ಕಿಲವರ್ ಉಂಗುರಿ 16 | 0 | 0 | 6 |
| 24 | ಡಿಟೋ | ದೇವಣ | ಪುಟ್ಟಯ್ಯ | ಕೊರಚ | ವಂಟಮನೆಹಳ್ಳಿ | ಹಿತ್ತಾಳೆ ಸಲಿಗೆಮುರಾಣಿ, ಚಿನ್ನದ ತಳಕು 1, ಕಿಲವರ್ ಉಂಗುರಿ 2 | 0 | 0 | 6 |
| 25 | ಡಿಟೋ | ಗಂಗಾ | ಮೆಳ್ಳೂರ | ಬಲಗೈ | ಕುಕ್ಕವಾರಪೇಟೆ | ಹಿತ್ತಾಳೆ ತಂತಿ ಹತ್ತೊಂಟಿ ಜೊತೆ 1 | ... | ... | ... |
| 26 | ಡಿಟೋ | ಬಿಕ್ಕ | ಕಾರ | ಡಿಟೋ | ಪಾಳ್ಯ | ಹಿತ್ತಾಳೆ ನತ್ತು 1, ತಾಂಬುಡ ಕಡಗದ ಜೊತೆ, ಕರಿಮಣಿಸರಾ 1 | 0 | 1 | 0 |
| 27 | ಡಿಟೋ | ದೊಡ್ಡ | ಗುಲಾಂಜೈದರ್ | ಮುಸಲಮಾಣ | ಅಂಬಳ | ಹಿತ್ತಾಳೆ ತೊಂಡೆ ಜೊತೆ 1 | 0 | 0 | 1 |
| 28 | ಮೂಡಗೇರೆ | ಅಮ್ಮಣಿಸಾಬಿ | ಕಾಳನಾಯ್ಕ | ಮೂಡಗೇರೆ | ಮೂಡಗೇರೆ | ಬೆಳ್ಳಿ ಉಂಗುರಿ 2 | 0 | 2 | 0 |
| 29 | ಡಿಟೋ | ಜೋರ | ಲಚ್ಚಾ | ಡಿಟೋ | ಗುಡ್ಡನಹಳ್ಳಿ | ತಾಂಬುಡ ವಂಟ ಜೊತೆ 1 | 0 | 0 | 1 |
| 30 | ಶಿವನೂರು | ಪುಟ್ಟ | ನಿಂಗ | ಯಡಗೈ | ಕಮರಗಟ್ಟಿ | ನಗದು | 0 | 0 | 1 |
| 31 | ಅರಳಿಕೆರೆ | ಚಿಕ್ಕ | ಕಪ್ಪಣಪ್ಪ | ಗೊಲ್ಲ | ಮಂಜ್ರಾಬಾದ | ಬೆಳ್ಳಿ ತಗಡಿನ ಮುರ 1, ಹಿತ್ತಾಳೆ ವಂಟ ಜೊತೆ 1 | 0 | 0 | 1 |
| 32 | ಮಂಜರಾಬಾದ | ಚಿಕ್ಕ | ಗಂಗಡು | ಬಾಹಲ | ಬಿಜಾಪುರ | ಚಿನ್ನದ ತಟ್ಟು ಜೊತೆ 1, ತಾಂಬುಡ ಉಂಗುರಿ 1, ಡಿಟೋ ತಾತಿ 1 | 0 | 0 | 3 |
| 33 | ಬಿಜಾಪುರ | ಚಿಕ್ಕ | ತಿಮ್ಮಾಬೋಯಿ | ವಡ್ಡೆ | ಡಿಟೋ | ಕಂಚಿನ ಬಳೆ 6, ಕಂಚಿನ ಉಂಗುರಿ 4 | 0 | 0 | 3 |
| 34 | ಡಿಟೋ | ನಾಗಿ | ಮಲೆ ಗಾಡ | ಡಿಟೋ | ... | ಹಿತ್ತಾಳೆ ಬಳೆ 8, ಕಂಚಿನ ಉಂಗುರಿ 4 | 0 | 0 | 2 |
| 35 | ... | ಪೆದ ಕುಂಗಿ | ಕಂಚ | ಕುಂಬಾರ | ಗಂಗಲಗೂಡು | ಕಬ್ಬಿಣದ ಚಿಮಟಾ 2 | 0 | 0 | 2 |
| 36 | ... | ತಿಮ್ಮಾಬೋಯಿ | ... | ... | ... | ಬೆಳ್ಳಿ ಚಿನ್ನದ ಅರೆಮುರ 1 | 0 | 0 | 1 |
| 37 | ... | ಪಟೇರ ರುದ್ರೇಗಾಡ | ... | ... | ... | ಬೆಳ್ಳಿ ಚಿನ್ನದ ಅರೆಮುರ 4 | 0 | 0 | 1 |
| 38 | ... | ಸೈಯದವಿವಾರ | ... | ... | ... | ಬೆಳ್ಳಿ ಚಿನ್ನದ ಅರೆಮುರ 1 | 0 | 0 | 1 |
| 39 | ಕೊಪ್ಪ | ಕಿಂಗಯ್ಯ | ಗಿಡ | ಹಳ್ಳಿವೈಕಾ | ಕಿಗಾ | ಚಿನ್ನದ ಗಂಟ ಪರದು 3 | 0 | 10 | 0 |
| 40 | ಡಿಟೋ | ಪ್ಲೆಯಂಣ | ಕಲ್ಲಂಣ | ಗಾಡಜಾತಿ | ಡಿಟೋ | ಚಿನ್ನದ ತಟ್ಟುಮುರ ಜೊತೆ 1, ಕೊಪ್ಪಕಲ್ಲಿನ ಕಡಕು ಪರದು 3 | 0 | 6 | 0 |
| 41 | ಡಿಟೋ | ಕಿಂಗಯ್ಯ | ಜಯಂಣ | ಡಿಟೋ | ಡಿಟೋ | ಚಿನ್ನದ ತಟ್ಟುಮುರ ಜೊತೆ 1, ಬೆಳ್ಳಿ ಸಲಿಗೆ, ಚಿನ್ನದ ಮುರ 3, ನಗದು 3-0-0 | 0 | 0 | 0 |
| 42 | ಡಿಟೋ | ಬಾಲಂಣ | ಕಲ್ಲಂಣ | ಡಿಟೋ | ಡಿಟೋ | ಬೆಳ್ಳಿ ಉಡ್ಡಾರ 1, ಬೆಳ್ಳಿ ಸಲಿಗೆ, ಚಿನ್ನದ ಮುರ 1, ಚಿನ್ನದ ನಾಗರಕತ್ತಿ ದ ತೊಂಡೆ ಜೊತೆ 1, ಚಿನ್ನದ ಮುರ 1, ಬೆಳ್ಳಿ ಸಲಿಗೆ 1, ನಗದು 0-2-0 | 1 | 12 | 0 |
| 43 | ... | ಡಾಮಗ | ... | ... | ... | ಬೆಳ್ಳಿ ಕೈ ಸಲಿಗೆ 1 | 0 | 2 | 0 |
| 44 | ... | ಹನುಮಂತ | ... | ... | ... | ಚಿನ್ನದ ತಟ್ಟುಮುರಾ 1, ತೊಂಡೆ 2, ಬೆಲ 1 | 0 | 12 | 0 |
| 45 | ... | ಅಂಣಪ್ಪಯ್ಯ | ... | ... | ... | ನಗದು 0-2-3, ಪೀಸಲ್ 2, ತವರದ ಸುಂಟಾಯಿ 1 | 0 | 2 | 0 |
| 46 | ... | ಕಂಬಾ | ... | ... | ... | ಕೊಪ್ಪಕಲ್ಲಿ ಹಾಕಿರುವ ಚಿನ್ನದ ಬಾವಲಿ 1, ಬಂದು ಮುತ್ತು ಹಾಕಿರುವ ಚಿನ್ನದ ಮುರ 1 | 0 | 0 | 8 |
| 47 | ... | ರುದ್ರಶೆಟ್ಟಿ | ... | ... | ... | ಬಂದು ಮುತ್ತು ಹಾಕಿರುವ ಚಿನ್ನದ ಹತ್ತೊಂಟಿ 1, ನಗದು 1-0-0, ಹಿತ್ತಾಳೆ ಉಂಗುರಿ 1 | 1 | 1 | 9 |
| 48 | ... | ತಿಮ್ಮ | ... | ... | ... | ಬೆಳ್ಳಿ ಉಂಗುರಿ 3 | 0 | 0 | 3 |
| 49 | ... | ... | ... | ... | ... | ನಗದು | 0 | 0 | 2 |

1850

| ಕ್ರ.ಸಂ. | ಪ್ರಶ್ನೆ | ಉತ್ತರ | ಉತ್ತರಿಸಿದವರು | ಪ್ರಶ್ನೆ | ಉತ್ತರಿಸಿದವರು | ಉತ್ತರಿಸಿದ ದಿನ | ಉತ್ತರಿಸಿದ ಸಂಖ್ಯೆ | ಉತ್ತರಿಸಿದ ಸಂಖ್ಯೆ |
|---------|-----------------|-------|--------------|---------|--------------|---------------|------------------|------------------|
| 50 | ಸರ್ಕಾರಿ ಶಾಲೆ | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... |
| 51 | ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಕಾರ್ಯ | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... |
| 52 | ಜಲಸಂಪನ್ಮೂಲ | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... |
| 53 | ಶಿಕ್ಷಣ | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... |
| 54 | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... |
| 55 | ಶಿಕ್ಷಣ ಮತ್ತು | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... |
| 56 | ಜಲಸಂಪನ್ಮೂಲ | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... |
| 57 | ಬಾವಿ | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... |
| 58 | ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಕಾರ್ಯ | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... |
| 59 | ಮಾರ್ಗದರ್ಶಿ | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... |
| 60 | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... |
| 61 | ಬಾವಿ | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... |

೨. ವೈದಾಂತದೇಸಿಗಂ ಅಭ್ಯುಂಗಾರ.
ಫಾರ ಡಿಪ್ಪಿಕ್ಕು ವದ್ಯಾಡೆನ್ನೈಟೆ.

ಈ ಕೆಳಗೆ ನಮೂದಿರುವ ಪೊಲೀಸು ನಾಕರರ ಬಾಬುತು ಭತ್ಯೆ ಮತ್ತು ತಲಬು ಹಾಲಿ ಈ ಅಭಿವಿಧದಲ್ಲಿ ಅನಾನಾತು ಇರುವವರಿಂದ ಸಮ್ಪಾದಿಸುವರು ಅಥವಾ ಅವರ ಹಕ್ಕು ದಾರರು ಈ ಬಾಗಾಯತು ಬಂದು ತಿಂಗಳ ಬಳಿಗೆ ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಹಾಜರಾಗಿ ಈ ಹಕ್ಕು ದೃಢಪಡಿಸಿ ನೋಬಲಗು ಪಡೆಯಬಹುದಾಗಿದೆ :-

| ಕ್ರ. ಸಂ. | ಹುದ್ದೆ. | ಹೆಸರು. | ತಾಲ್ಲೂಕು. | ಯಾವವನಾದ ಬಾಬುತು. | ಮೊಬಲಗು. | ರೂ. | ಆ. | ಪೈ. |
|---------------|---------|-------------------------------|--------------------|--------------------|---------|-----|----|-----|
| ತಲಬು. | | | | | | | | |
| 1 | 303 | ಹಂಗಾಮಿ ಎರಡನೆ ತರಗತಿ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಟೆ | ಮಂಜನಾಥ | 1899ನೇ ಇಸವಿ ಮಾರ್ಚ್ | 5 | 12 | 11 | |
| 2 | 360 | ಎರಡನೇ ತರಗತಿ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಟೆ | ಮಂಡ್ಯ | 1901ನೇ ಏಪ್ರಿಲ್ | 3 | 3 | 3 | |
| 3 | 108 | ಡಿಟೋ | ಹಿಂಟೋ | 1904ನೇ ಮೇ | 1 | 2 | 0 | |
| ಭತ್ಯೆ. | | | | | | | | |
| 4 | 226 | ಡಿಟೋ | ಸೈಯದ್‌ಸಾಲಾಹ್ | 1898ನೇ ಡಿಸೆಂಬರ್ | 1 | 12 | 6 | |
| 5 | 180 | ಡಿಟೋ | ಸಿದ್ಧ | 1898ನೇ ಮಾರ್ಚ್ | 1 | 3 | 6 | |
| 6 | 342 | ಡಿಟೋ | ಮಲ್ಲಪ್ಪಯ್ಯ | 1898ನೇ ನವೆಂಬರ್ | 0 | 7 | 6 | |
| 7 | 180 | ಡಿಟೋ | ಅಬ್ದುಲ್‌ಗನಿ | 1899ನೇ ಮೇ | 0 | 5 | 0 | |
| 8 | 37 | ಡಿಟೋ | ಚಿಕ್ಕಂಣ | ಡಿಟೋ | 0 | 5 | 0 | |
| 9 | 170 | ಡಿಟೋ | ಅಬ್ದುಲ್‌ರಹಿಮ್‌ಮಾನ್ | ಡಿಟೋ | 2 | 15 | 0 | |
| 10 | 334 | ಡಿಟೋ | ಗುಂಡಪ್ಪ | 1898ನೇ ಜುಲೈ | 0 | 10 | 6 | |
| 11 | 67 | ಡಿಟೋ | ರಘುವೆಂಕಟ | ಡಿಟೋ | 0 | 10 | 6 | |
| 12 | 17 | ಬಂದನೇ ಕಾನ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಟೆ | ಕರೇಕೆರೆ | 1898ನೇ ಜುಲೈ | 0 | 16 | 3 | |
| 13 | 281 | ಎರಡನೇ ಕಾನ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಟೆ | ಇಮಾಮ್‌ಸಾಬ್ | ಡಿಟೋ | 0 | 3 | 0 | |
| 14 | 254 | ಡಿಟೋ | ಇಮಾಮ್ | ಡಿಟೋ | 4 | 3 | 6 | |
| 15 | 304 | ಡಿಟೋ | ಸುಬ್ಬರಾಯ | ಡಿಟೋ | 0 | 3 | 0 | |
| 16 | 378 | ಡಿಟೋ | ಮಹಾಲಿಂಗ | ಡಿಟೋ | 2 | 15 | 0 | |
| 17 | 202 | ಡಿಟೋ | ಸೈಯದ್‌ಮಾನ್ | ಡಿಟೋ | 2 | 15 | 0 | |
| 18 | 255 | ಡಿಟೋ | ಮಹಮ್ಮದ್‌ಖಾನಿಂ | 1899ನೇ ನವೆಂಬರ್ | 1 | 0 | 6 | |
| 19 | ... | ಡಿಟೋ | ಸುಬ್ಬ | ಡಿಟೋ | 0 | 13 | 6 | |

1859

| ಕ್ರ.ಸಂ. | ಕ್ರ.ಸಂ. | ಹುದ್ದೆ. | ಹೆಸರು. | ತಾಲ್ಲೂಕು. | ಯಾವ ಮಾಹಿತಿ ಬಾಬಿ. | ಮೊಬಲಗು. | ರೂ. ಅ. ಪೈ. |
|---------|---------|-------------------------------|--------------|-----------|-------------------------------|---------|------------|
| 20 | 314 | ಎರಡನೇ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ಸೋಜಿ | ಭತ್ತೇ. | 1594ನೇ ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್ | 0 | 13 6 |
| 21 | 315 | ದ್ವಿತೀಯ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ತರೀಕೆರೆ | ... | 1597ನೇ ನವೆಂಬರ್ | 1 | 12 6 |
| 22 | 316 | ಎರಡನೇ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ಬೇಕುಹುರ್ಲಿ | ... | ... | 3 | 1 0 |
| 23 | 317 | ಎರಡನೇ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ಬುರ್ಜುಮೆಂಟರಿ | ... | 1898ನೇ ಫೆಬ್ರವರಿ | 1 | 2 3 |
| 24 | 318 | ದ್ವಿತೀಯ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ಸಿದ್ಧಿ | ... | ... | 0 | 9 0 |
| 25 | 319 | ದ್ವಿತೀಯ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ಚಿಕ್ಕಂಜ | ... | ... | 0 | 11 0 |
| 26 | 320 | ದ್ವಿತೀಯ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ಭಕ್ತೇಂದ್ರ | ... | ... | 0 | 11 0 |
| 27 | 321 | ದ್ವಿತೀಯ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ಸೈಯದ್‌ಬಾಳೆ | ... | ... | 2 | 15 0 |
| 28 | 322 | ದ್ವಿತೀಯ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ಮಹದೇವಯ್ಯ | ... | 1899ನೇ ಡಿಸೆಂಬರ್ | 0 | 13 6 |
| 29 | 323 | ಎರಡನೇ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ಮುನಿಸಾಬಿ | ... | 1901ನೇ ಜುಲೈ | 1 | 0 6 |
| 30 | 324 | ಎರಡನೇ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ಹುಮೈದ್‌ಬಾಳೆ | ... | 1901ನೇ ನವೆಂಬರ್ | 0 | 7 6 |
| 31 | 325 | ದ್ವಿತೀಯ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ಮಹಮ್ಮದ್‌ಬಾಳೆ | ... | 1901ನೇ ಅಕ್ಟೋಬರ್ | 0 | 4 6 |
| 32 | 326 | ದ್ವಿತೀಯ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ವೆಂಕಪ್ಪ | ... | ... | 0 | 7 6 |
| 33 | 327 | ದ್ವಿತೀಯ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ಗೋಸ್‌ಬಾಳೆ | ... | ... | 0 | 6 6 |
| 34 | 328 | ದ್ವಿತೀಯ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ಅಬ್ದುಸ್ಸಯಿದ್ | ... | ... | 1 | 14 6 |
| 35 | 329 | ದ್ವಿತೀಯ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ತಿಮ್ಮನಾಯಕ | ... | 1901ನೇ ಮಾರ್ಚ್ | 2 | 1 0 |
| 36 | 330 | ದ್ವಿತೀಯ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ನಂಜ | ... | 1900ನೇ ಅಕ್ಟೋಬರ್ ಮತ್ತು ನವೆಂಬರ್ | 0 | 3 0 |
| 37 | 331 | ದ್ವಿತೀಯ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ಹನುಮಂತ | ... | 1900ನೇ ನವೆಂಬರ್ | 0 | 1 6 |
| 38 | 332 | ದ್ವಿತೀಯ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ಸೈಯದ್‌ವಿಠ್ಠಲ | ... | 1902ನೇ ಜನವರಿ | 0 | 4 0 |
| 39 | 333 | ದ್ವಿತೀಯ ಕ್ಲಾಸ್ ಕಾರ್ಪಸ್‌ಮೆಂಟರಿ | ಆರೋಗ್ಯ | ... | 1902ನೇ ಆಗಸ್ಟ್ | 1 | 0 6 |
| ಒಟ್ಟು | | | | | | 52 | 8 2 |

ಮಹಮ್ಮದ್ ರಹಾ
ಫಾರ್ ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಕಮಿಷನರ್.